आज का विचार

महानता कभी ना गिरने में नहीं हैं, बल्कि हर बार गिर कर उठ जाने में है।

अम्बिकावाणी

www.ambikavani.com

संस्थापक : स्व. श्रीकिशन असावा एवं स्व. श्री गोपाल असावा ■ वर्ष-24 अंक-110 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य 2.50 ■ प्रधान संपादक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, ● प्रबंध संपादक-नरेन्द्र सिंह टुटेजा

कल्याणपुर में छह हाथियों का कहर, खेत उजड़े व मकान टूटे

रायपुर, मंगलवार 1 जुलाई , 2025

आयुष शेट्टी ने रचा इतिहास, जीता पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब

पहला कॉलम

अमरनाथ यात्रा पर साइकिल से निकले नेपाल के सचिन, पर्यावरण संरक्षण का दे रहे संदेश

जम्मू ,30 जून(ए)। नेपाल के रहने वाले सचिन चौधरी साइकिल पर सवार होकर अमरनाथ यात्रा पर निकले हैं। उनका यह सफर केवल धार्मिक नहीं, बल्कि एक सामाजिक और पर्यावरणीय संदेश लिए है। सचिन अपनी इस विशेष यात्रा के जरिए देशवासियों को जल संरक्षण का संदेश दे रहे हैं।

सचिन ने बताया कि उन्हें घर से निकले हुए आठ महीने और आठ दिन हो चुके हैं। यह उनकी भारत में दूसरी यात्रा है और इस बार उनका लक्ष्य बाबा बर्फानी के दर्शन करना है। उन्होंने बताया कि वे वर्तमान में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर हैं और यहां की यात्रा अब तक बहुत ही सकारात्मक रही है। सचिन ने कहा कि जैसे ही मैंने जम्मू में प्रवेश किया, तो बहुत प्यार और समर्थन मिला। जो डर हम लोगों को जम्मू-कश्मीर को लेकर होता था, वो सब गलत साबित हुआ। यहां कोई धर्म का भेदभाव नहीं है, हिंदू-मुस्लिम सब एकता और भाईचारे से रहते हैं। सचिन ने बताया कि रास्ते में लोग उन्हें खाना, पानी और रहने के लिए जगह तक उपलब्ध कराते हैं। गुरुद्वारों में उन्हें न सिर्फ भोजन, बल्कि रुकने के लिए कमरे भी दिए गए। भारत के लोग बहुत अच्छे हैं। जितना मैंने सोचा था, उससे कहीं अधिक सहयोग मिला है।

कुछ अलग

पुरी भगदड़ मामले में बड़ा एक्शन, डीएम और एसपी का तबादला; डीसीपी और कमांडेंट निलंबित

भुवनेश्वर ,30 जून(ए)। ओडिशा के पुरी में रथयात्रा के दौरान हुई भगदड़ के मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, पुरी के जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक का तबादला कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, कर्तव्य में लापरवाही के लिए ष्ठष्टक्क विष्णु पति और कमांडेंट अजय पाधी को निलंबित कर दिया गया है। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस दुखद घटना में जान गंवाने वाले प्रत्येक श्रद्धालु के परिवार को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने विकास आयुक्त की देखरेख में विस्तृत प्रशासनिक जांच के आदेश दिए हैं और जिला कलेक्टर तथा स्क्क के तबादले के निर्देश भी जारी किए हैं। चंचल राणा को नया जिला कलेक्टर नियुक्त किया गया है, जबकि पिनाक मिश्रा ने नए स्क्क का कार्यभार संभाल लिया है। पुरी रथयात्रा भगदड़ मामले पर ओडिशा के पुलिस महानिदेशक वाईबी खुरानिया ने कहा कि घटना की जांच की जा रही है और सभी तथ्य सामने लाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में अधिक थी। इससे पहले, जिलाधिकारी सिद्धार्थ स्वैन ने बताया था कि आज सुबह 4:20 से 5:40 बजे तक 15 श्रद्धालुओं को जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिनमें से 12 को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

खरी-खरी

यूपी के इस जिले के 14 हजार किसान शक के घेरे में, जांच शुरू

नई दिल्ली। पीएम किसान सम्मान निधि पाने वाले करीब १४ हजार लोग संदेह के घेरे में है। मामला उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले का है जहां प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के कई लाभार्थियों को शक के घेरे में रखा गया है। इस वजह से शासन से इनका डाटा भेजा गया है। अब ब्लॉक स्तरीय कर्मचारी इस डाटा का सत्यापन करेंगे। इस प्रक्रिया के बाद रिपोर्ट भेजी जाएगी।

सत्यापन करने का निर्देश जारी

जानकारी हो कि कन्नौज जिले में करीब दो लाख ९३ हजार किसान पीएम किसान निधि योजना से पंजीकृत है। इनमें से १४ हजार ७६७ संदिग्ध किसानों की सूची तैयार कर भेजी गई है। शासन को इसमें कई तरह की खामियां नजर आई इसलिए विभाग के कर्मचारी लगाकर इसका सत्यापन करने को कहा गया है।

किन लोगों की लगाई गई ड्यूटी?

कृषि विभाग ने ब्लॉक स्तर के कर्मचारी प्राविधिक सहायक, कृषि तकनीकि मैनेजर और ब्लॉक टेक्नोलाजी मैनेजर की ड्यूटी लगाई है। साथ ही इसका जल्द ही सत्यापन करने का निर्देश दिया गया है। उप कृषि निदेशक संतोष कुमार के अनुसार किसानों का सत्यापन कराया जा रहा है।

क्या है पीएम किसान सम्मान निधि योजना?

बता दें कि केंद्र की सरकार ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना की है जिसके तहत पंजीकृत किसानों को साल में छह हजार रुपए दिए जाते है। यह राशि किसानों के खाते में तीन किस्तों में दिए जाते हैं। किसानों के बैंक खाते में सीधे जाने वाली इस राशि की १९वीं किस्त हाल ही में जारी की गई थी।

तेलंगाना में बीजेपी को बड़ा झटका, फायर ब्रांड नेता टी राजा सिंह ने पार्टी से दिया इस्तीफा; बताई फैसले की वजह

नई दिल्ली ,30 जून(ए। तेलंगाना में गोशामहल के विधायक टी राजा सिंह ने बीजेपी से इस्तीफा दे दिया है। बताया जा रहा है कि टी राजा सिंह तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष पद का चुनाव लड ?ा चाहते थे। उन्होंने अपना इस्तीफा तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष जी किशन रेड्डी को भेज दिया है। टी राजा सिंह ने सदमे और निराशा का हवाला देते हुए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है। उन्होंने तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष के तौर पर नया नाम सामने आने के बाद ये फैसला लिया है। आलाकमान ने एन रामचंद्र राव के नाम पर राज्य बीजेपी अध्यक्ष के पद पर सहमति जताई है। इसी से नाराज होकर टी राजा सिंह ने अपना इस्तीफा इस वक्त के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार को भेज दिया है। बीजेपी से इस्तीफे के ऐलान के साथ ही टी राजा सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दो पत्र शेयर किए हैं। इन दो पत्रों को शेयर करते हुए टी राजा सिंह ने कहा, 'बहुत से लोगों की चुप्पी को सहमति नहीं समझा जाना चाहिए। मैं सिर्फ अपने लिए नहीं, बल्कि उन अनगिनत कार्यकताओं और मतदाताओं के लिए बोल रहा हूं। जो हमारे साथ आस्था के साथ खड़े थे और जो आज निराश महसूस कर रहे हैं। पार्टी से इस्तीफा देने के ऐलान के साथ ही टी राजा सिंह ने जो पत्र लिखा है, उसमें उन्होंने कहा, 'भले ही मैं पार्टी से अलग हो रहा हूं, लेकिन मैं हिंदुत्व की विचारधारा और हमारे धर्म और गोशामहल के लोगों की सेवा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं। मैं अपनी आवाज उठाता रहूंगा और हिंदू समुदाय के साथ और भी अधिक मजबूती से खड़ा रहूंगा।इ टी राजा सिंह ने पत्र में आगे लिखा, 'यह एक कठिन निर्णय है,

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव घोषित, आज नामांकन और कल घोषणा

शिमला ,30 जून(ए)। भाजपा के चुनाव अधिकारी डॉ राजीव भारद्वाज ने दीप कमल चक्कर में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा हमारी पार्टी लोकतांत्रिक परंपरा में विश्वास रखती है और उसके अंतर्गत पूरे देश भर में एक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के अंतर्गत राष्ट्र और प्रदेश के अध्यक्ष का चुनाव होता है।हमारे राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी के लक्ष्मण के नेतृत्व में पूरे देश के अंतर्गत बूथ, मंडल, जिला और प्रदेश परिषद के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। जिसमें हिमाचल प्रदेश में 8000 से अधिक बूथों , 171 मंडलों और 17 जिलों में चुनाव संपन्न हुए चुके है। हिमाचल प्रदेश में 114 डेलीगेट है जिन्हें हम भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय परिषद के चुनाव के लिए मतदाता भी कह सकते हैं। हमारे द्वारा चुनाव की अधिसूचना, समय सारणी एवं मतदाता सूची भाजपा मुख्यालय में प्रकाशित कर दी गई है।

डॉ राजीव भारद्वाज ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं 8 राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का चुनाव घोषित हो चुका है, जिसकी अधिसूचना हमने जारी कर दी है 30 जून 2025 को भाजपा मुख्यालय दीप कमल चक्कर में दोपहर 12:00 बजे से 2:00 बजे तक प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों का नामांकन लिया जाएगा, इन नामांकन पत्रों की जांच 2 से 3 बजे तक की जाएगी और अगर एक से अधिक नामांकन आता है तो उसकी वापसी का समय दोपहर 3 से 5 बजे तक निर्धारित किया गया है।

उन्होंने बताया कि 1 जुलाई को केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह द्वारा प्रदेश अध्यक्ष एवं आठ राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों की आधिकारिक घोषणा प्रातः 11:00 बजे होटल पीटरहॉफ शिमला में की जाएगी।

इस दौरान राजीव भारद्वाज के साथ सह चुनाव अध्यक्ष डॉ राजीव सहजल एवं संजीव कटवाल उपस्थित रहे।

यह है भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चुनाव के मतदाता

जगत प्रकाश नड्डा, राजेन्द्र गर्ग, जे आर कटवाल, सुरेश चंदेल, स्वतंत्र सांख्यान, भुवनेश्वरी लुम्बा, कृष्ण चंदेल, डी एस ठाकुर, विजय ठाकुर, हंस राज, डॉ जनक राज, शशि चम्बियाल, पवन नय्यर, इंदु बाला, राकेश पठानिया, संजय गुलेरिया, रमेश राणा, रणवीर निक्का, राजीव भारद्वाज, रीता धीमान, संजीव कुमार शर्मा, पूनम धीमान, रविन्द्र रवि, सुभाष चंद, घनश्याम शर्मा, विपिन परमार, अनीता चौधरी, त्रिलोक कपूर, शीला देवी, मुलखराज प्रेमी, अरुण कुमार मेहरा, पवन काजल, मोनिका पठानिया, सचिन शर्मा, सुधीर शर्मा, सरवीन चौधरी, रवि ठाकुर, जवाहर लाल शर्मा श्री गोविन्द ठाकुर, महेश्वर सिंह, नैना शर्मा, भीम सेन, नरोतम ठाकुर, लोकेन्द्र कुमार, बिहारी लाल शर्मा, राकेश जमवाल, हीरा लाल, विनोद कुमार, कश्मीर सिंह, राजेन्द्र सिंह भट्ट, रमा शर्मा, गुलजारी लाल, पूर्ण चंद ठाकुर, इंद्र सिंह गाँधी, पंकज जमवाल, पायल वैद्य, प्रियंता शर्मा, श्री राजिंदर राणा, डॉ अनिल धीमान, आशीष शर्मा, इंद्र दत्त लखनपाल, कमलेश कुमारी, विजय अग्निहोत्री, बलवीर चौधरी, राजेश ठाकुर, रीना शर्मा, चैतन्य शर्मा, सुमीत कुमार शर्मा, बलवीर बग्गा, देवेन्द्र भुट्टो, रतन सिंह पाल, के एल ठाकुर, रशिमधर सूद, परमजीत पम्मी, पुर्शोतम गुलेरिया, डॉ राजीव सैजल, डॉ डेजी ठाकुर, डॉ राजीव बिंदल, विनय गुप्ता, सुरेश कश्यप, नारायण सिंह, सुखराम चौधरी, बलदेव तोमर, रीना कश्यप, बलवीर वर्मा, अजय श्याम, नीलम कुमारी, चेतन बरागटा, शशि बाला, कौल नेगी, रविंदर चौहान, प्रेम ठाकुर, सुरेश भारद्वाज, किरण बावा, संजय सूद, नारायण सिंह, सूरत नेगी, जयराम ठाकुर, सतपाल सिंह सत्ती, अनिल शर्मा, बिक्रम ठाकुर, रणधीर शर्मा, प्रकाश राणा, सुरेन्द्र शौरी, त्रिलोक जामवाल, दिलीप ठाकुर, दीपराज कपूर, अनुराग ठाकुर, कंगना रानौत, इन्दु गोस्वामी, डॉ सिकंदर कुमार और हर्ष महाजन।

50 साल बाद भी 'संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की आदत से बाहर नहीं निकल पाया विपक्ष : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली ,30 जून(ए)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने सोमवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने बिहार में नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। उन्होंने तेजस्वी के एक बयान का जिक्र करते हुए कहा कि वह कहते हैं कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे।

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, अभी हाल ही में हमने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे दुर्दांत काले अध्याय आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण किए। लेकिन, बड़े दुख की बात है कि पटना के उसी गांधी मैदान में जहां आपातकाल के दौरान संविधान की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए जान की परवाह किए बिना लाखों लोग एकत्र हुए थे। वहां कल एक ऐसी रैली हुई, जिसमें इंडी गठबंधन के सहयोगी बिहार के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे। जबकि यह कानून (वक्फ बोर्ड कानून) दोनों सदनों से पारित है और कोर्ट में विचाराधीन है। इसका अर्थ ये हुआ कि न संसद का सम्मान न न्यायपालिका का सम्मान। यह साफ है कि 50 साल बाद भी इंडी गठबंधन संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की पुरानी आदत से बाहर नहीं आ पाया है।

उन्होंने आगे कहा, वोट बैंक की चाहत में इंडी गठबंधन के सहयोगी तेजस्वी यादव द्वारा जो कुछ बोला गया है, उससे साफ है कि ये संविधान को कूड़ेदान में फेंकने की मानसिकता से बाहर नहीं आ पा रहे हैं।

सुधांशु त्रिवेदी ने वक्फ का जिक्र करते हुए कहा, मैं यह बताना चाहता हूं कि कुरान में 'वक्फइ जैसा कोई शब्द नहीं है। यह मुल्लाओं और मौलवियों का बनाया शब्द है। इस्लाम आपको खर्च करना, देना सिखाता है, न कि रखना या जमा करना, और फिर भी, आप कहते हैं, संग्रह करो? यह बाबा साहेब के संविधान का मजाक उड़ाने के अलावा और कुछ नहीं है, इसे धर्मनिरपेक्ष दस्तावेज से मौलवियों की स्क्रिप्ट में बदलने की कोशिश है। इनका विचार संविधान की सीमा को तार-तार करना है। यह चंद मुी भर मुस्लिमों के साथ खड़े हैं, जो पैसों की ताकत रखते हैं। यह गरीब मुस्लिमों के साथ नहीं हैं। यह लोग जयप्रकाश नारायण, कपूरी ठाकुर को नहीं मानते हैं। आज राजग और समाजवादी पार्टी जैसे दल नमाजवाद के साथ खड़े रहते हैं।

भाजपा सांसद ने कहा, अगर वे कभी सत्ता में आए तो यह संभव नहीं है, लेकिन वे बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान को कूड़ेदान में फेंक देंगे और शरिया कानून लागू करेंगे। यह कोई अतिशयोक्ति नहीं है। याद रखें कि भारत में सरकार ने केवल एक बार 400 सीटें पार की हैं, वो भी 1985 में, और फिर क्या हुआ? शाहबानो मामले को देखें। उस 400 से ज्यादा की सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को कुचल दिया और शरिया कानून को संविधान से ऊपर रख दिया। वे पिछड़े, वांछित, का आरक्षण भी यह खत्म करना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने भूपेंद्र यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं, मंत्री बोले- 'हृदय से आभार

नई दिल्ली ,30 जून(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने भूपेंद्र यादव की दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की भी कामना की है। इस पर केंद्रीय मंत्री ने पीएम मोदी का आभार व्यक्त किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्सइ पर पोस्ट में लिखा, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। वे सतत विकास को बढ़ावा देने और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ हमारी लड़ाई को मजबूत करने की दिशा में बड़े पैमाने पर काम कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनका जुनून सराहनीय है। मैं उनके दीघार्यु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।

इसके बाद भूपेंद्र यादव ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने 'एक्सइ पर लिखा, आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आपका आशीर्वाद और मार्गदर्शन मेरे लिए निरंतर शक्ति और प्रेरणा का स्रोत है। जलवायु को लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया गया आपका अथक प्रयास हम सभी को एक सतत और सुरक्षित पृथ्वी के निर्माण के लिए निरंतर प्रेरित करते हैं। मैं आपकी शुभकामनाओं के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। भूपेंद्र यादव पश्चिम बंगाल में हैं। जन्मदिन के मौके पर उन्होंने सोमवार सुबह कोलकाता में कालीघाट के काली मंदिर में मां के दर्शन कर पूजा-अर्चना की।

अमरनाथ यात्रा : जम्मू के सरस्वती धाम में टिकट काउंटर शुरू, श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह

जम्मू ,30 जून(ए)। अमरनाथ यात्रा की शुरूआत से पहले जम्मू के सरस्वती धाम में टिकट काउंटरों की औपचारिक शुरूआत की गई है। सरस्वती धाम में इस साल कुल 12 टिकट काउंटर शुरू किए गए हैं, जिनमें 6 काउंटर पहलगाम रूट के लिए और 6 काउंटर बालटाल रूट के लिए निर्धारित किए गए हैं। दोनों रूटों के लिए हर दिन एक-एक हजार टिकट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मौसम को ध्यान में रखते हुए यात्रियों के लिए वॉटरप्रूफ वेटिंग रूम की भी व्यवस्था की गई है, ताकि बारिश या खराब मौसम की स्थिति में उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो।

जम्मू साउथ, एसडीएम मनु हंसा ने बताया कि टिकट काउंटर के अलावा दो वेटिंग एरिया बनाए हैं, जिसमें एक पहलगाम और दूसरा बालटाल रूट पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए बनाया है। यहां यही एकमात्र टिकट काउंटर है, जहां से श्रद्धालुओं को टिकट दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अमरनाथ श्राइन बोर्ड की तरफ से टिकट की संख्या तय होती है।

अंतरराष्ट्रीय संसदीय दिवस : ओम बिरला और किरेन रिजिजू समेत कई नेताओं ने दी बधाई

नई दिल्ली ,30 जून(ए)। 'अंतरराष्ट्रीय संसदीय दिवसइ की लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू समेत कई नेताओं ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि गर्व है कि हम इस लोकतांत्रिक यात्रा का हिस्सा हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने एक्स पर लिखा, 'अंतरराष्ट्रीय संसदीय दिवसइ पर समस्त संसदों एवं जनप्रतिनिधियों को हार्दिक शुभकामनाएं। जनता की आकांक्षाओं को स्वर देने, सरकारों को जवाबदेह बनाने और मानवाधिकारों की रक्षा में विश्व भर में संसदों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। भारत में संसद न केवल विधायी कार्यों की सर्वोच्च संस्था है, अपितु यह हमारी लोकतांत्रिक चेतना, विविधता में एकता तथा संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की सर्वोच्च प्रतिनिधि संस्था के रूप में भारतीय संसद ने अपनी समृद्ध संवैधानिक परंपराओं, पारदर्शिता व उत्तरदायित्व के सिद्धांतों के माध्यम से राष्ट्र की एकता, अखंडता और सम्प्रभुता को सदैव सुदृढ़ रखा है। इस विशेष अवसर पर हम राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए, लोकतांत्रिक मूल्यों, विधि के शासन तथा जनता के प्रति संसद की उत्तरदायित्वशीलता को और अधिक सुदृढ़ करने का संकल्प दोहराते हैं।

केशकाल पुलिस द्वारा किया गया एक और गुम इंसान दस्तयाब

कोंड़ागांव। ऑपरेशन तलाश अभियान अंतर्गत एसपी वॉय. अक्षय कुमार के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कौशलेन्द्र देव पटेल एंव पुलिस अनुविभागीय अधिकारी केशकाल अरूण कुमार नेताम के मार्गदर्शन में विशेष मुहिम चलाकर गुम इंसान की पता तलाश कर दस्तयाब कर उसके परिजनों को सुपुर्द किया जा रहा है। इसी तारतम्य में सूचनाकर्ता की रिपोर्ट पर थाना केशकाल में गुम इंसान कमांक 39/2024 दर्ज कर पता तलाश किया ।

पहला कालम

रीजनल वर्क शॉप इंचार्ज डीके गुहा समेत बीस कर्मी हुए सेवानिवृत

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
एसईसीएल बिश्रामपुर के रीजनल वर्कशॉप इंचार्ज असिस्टेंट इंजीनियर ईएंडएम दिलीप कुमार गुहा समेत क्षेत्र के बीस कर्मी आज ३० जून को सेवानिवृत हो गए।दिलीप कुमार गुहा रीजनल वर्कशॉप में १९९० से पदस्थ थे २०११ में फोरमैन से पदोन्नति के बाद वे असिस्टेंट इंजीनियर के रूप में यहां कंपनी को अपनी सेवाएं दी।महाप्रबंधक कार्यालय में आयोजित विदाई समारोह में क्षेत्रीय महाप्रबंधक डॉक्टर संजय सिंह ने दिलीप गुहा के सेवाकाल की सराहना कर उन्हें शाल श्रीफल भेंट किया।जीएम ने उन्हें ईमानदार और कर्तव्य निष्ठ शासकीय सेवक निरूपित करते हुए उनके शेष जीवन काल के लिए अपनी शुभकामनाएं दी।इस दौरान उनकी पत्नी सुमोना गुहा भी उपस्थित थी।श्री गुहा केअतिरिक्त अन्य उन्नीस कर्मियों को भी यूनिट स्तर पर सम्मान किया गया।क्षेत्र से आज सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों में आमगांव से शिव प्रशाद, रेहर खदान से भागीरथी,हरिकेश त्रिपाठी, डीवीजीए नरसिम्हन, नरवदा,बिश्रामपुर ओसीएम से सुधीर कुमार तिवारी,बलरामपुर दस बारह खदान से राम विशाल,अमरीक सिंह,गंगा राम,जगदेव,रामनरेश,गायत्री खदान से शैलेन्द्र कुमार मंडल,नंदलाल,महिपाल प्रसाद,रीजनल वर्कशॉप से राम केल, लक्ष्मण प्रशाद पटेल, पमरेशिया बाई,एरिया हेड क्वार्टर से ओम प्रकाश देवांगन, कुमदा सब एरिया से मंधारी सिंह के नाम शामिल हैं।सभी सेवानिवृत कर्मियों को यूनिट स्तर पर सम्मानित कर उन्हें पेंशन मेडिकल आदेश पत्र सहित कंपनी से दिया जाने वाला उपहार सौंपा गया।

सड़क पर असुरक्षित हाल में खड़े ट्रक में टकरा युवक की मौत

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक ४३ पर बीती रात खड़े ट्रक में पीछे से टकराकर एक युवक की मौत हो गई है। जयनगर पुलिस ने बताया कि

ग्राम पंचायत हर्राटिकरा निवासी ३४ वर्षीय दिनेश दास पिता नहकू दास जो स्टेट वेयर हाउस बिश्रामपुर में दैनिक वेतन भोगी पर काम करता था। रविवार की रात अपनी स्कूटी क्रमांक सीजी २९ एई ५६१२ में ग्राम पहाडगांव में स्थित वेयर हाउस से ड्यूटी उपरांत वापस अपने घर लौट रहा था। तभी राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक ४३ पर ग्राम केनापारा में पीतांबर साहू घर के पास सड़क पर खड़े ट्रक में पीछे से जबरदस्त टकरा गया। दुर्घटना में युवक के सिर में गंभीर चोट आने से उसकी मौत हो गई है। सूचना पर पुलिस ने शव पंचनामा पीएम उपरांत शव परिजन के सुपुर्द कर ट्रक चालक के खिलाफ जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्कूटी सवार युवक बारिश की वजह से ट्रक को ध्यान नहीं दे पाया, जिससे उक्त घटना घटित हो गई है।

कल्याणपुर में छह हाथियों का कहर, खेत उजड़े व मकान टूटे

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
ग्राम पंचायत कल्याणपुर कोटबहरा में जंगली हाथियों का दल पिछले १५ दिनों से जमकर आतंक मचा रहा है। गांव के चारों ओर जंगलों से निकलकर हाथी बस्तियों में घुस रहे हैं, जिससे ग्रामीणों की नींद उड़ी हुई है। हाथियों द्वारा घरों की दीवारें तोड़ दी गई हैं, खेत रौंद दिए गए हैं, और लोगों की हर रात डर के साए में बीत रही है।ग्रामीण अपनी आंखों से खेत में हाथियों को देख रहे हैं, लेकिन बेबसी के साथ, क्योंकि उन्हें रोकने का कोई साधन नहीं। गौरतलब है कि सुरजपुर वन मंडल अंतर्गत ग्राम पंचायत कल्याणपुर कोटबहरा में पखवाड़े भर से छह सदस्यीय हाथियों का दल विचरण कर रहा है। हाथियों के दल ने गांव के रघुनाथ दास और शेरु नगेसिया के कच्चे मकान को काफी क्षतिग्रस्त कर दिया है। पीड़ित ग्रामीणों के अनुसार रात में अचानक तेज आवाज आई, और जब तक समझ पाते, हाथियों ने पूरा घर की दीवारों को क्षतिग्रस्त कर दिए थे। ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों के दल द्वारा गांव में धान की रोपा फसल को रौंद दिया है। सब्जी की खेती भी पूरी तरह बर्बाद कर दी है। साथ ही कई ट्यूबवेल और सिंचाई उपकरणों को भी तोड़ दिया है। लोगों ने बताया कि हाथियों की मौजूदगी की वजह से बच्चे स्कूल भी नहीं जा पा रहे हैं, किसान खेतों में काम नहीं कर पा रहे हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि वन विभाग और स्थानीय प्रशासन द्वारा अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। विभाग की ओर से न तो कोई निगरानी दल तैनात किया गया, न ही हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ने का कोई प्रयास किया जा रहा है।ग्रामीणों की मांग है कि हाथियों को जंगल की ओर खदेड़ा जाए। पीड़ितों को शीघ्र मुआवजा मिले। फसलों की सुरक्षा के लिए सौर बाड़ या तारबंदी कराई जाए।

मधुरिमा शुक्ला की पुनरीक्षण याचिका को हाई कोर्ट ने किया खारिज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के चर्चित नान घोटाले में गिरफ्तार किए गए पूर्व मैनेजर शिवशंकर भट्ट की करीबी मानी जाने वाली मधुरिमा शुक्ला की ओर से दाखिल की गई आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा की एकलपीठ ने कहा कि स्पेशल कोर्ट द्वारा तय किए गए आरोपों में कोई गलती नहीं है और रिकॉर्ड में मौजूद सबूत बताते हैं कि महिला का अपराध में सीधा जुड़ाव है। स्पेशल कोर्ट ने मधुरिमा शुक्ला पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13 (1) (ई), 13(2) और आईपीसी की धारा 120-बी (षड ?ंत्र) के तहत आरोप तय किए हैं। महिला ने हाई कोर्ट में इस आदेश के खिलाफ याचिका लगाई थी,

युक्तियुक्तिकरण से संवर रहा बच्चों का भविष्य

शिक्षकों पदस्थापना होने स्कूलों में बढ़ रही बच्चों उपस्थिति

बलरामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
जिले में युक्तियुक्तिकरण के तहत १४ प्राथमिक, माध्यमिक शिक्षक विहीन विद्यालयों में शिक्षकों की स्थाई पदस्थापना हुई है। युक्तियुक्तिकरण की इस प्रक्रिया मे विकासखण्ड वाड्रफनगर के माध्यमिक शाला जरहाटोला एवं प्राथमिक शाला टोलकुपारा में शिक्षक की स्थाई पदस्थापना होने पर विद्यार्थियों की संख्या बढ़ रही है। बच्चे पारा-मोहल्ला से निकलकर विद्यालय से जुड़ रहें है। प्रतिदिन समय से विद्यालय खुलने से ग्रामीणों पर शासकीय विद्यालय के प्रति विश्वास बढ़ते दिखाई दे रहा है।

माध्यमिक शाला जरहाटोला एवं प्राथमिक शाला टोलकुपारा में शिक्षकों की पदस्थापना से हर्षोल्लास का वातावरण बन गया है। विद्यार्थी पहले से अधिक उमंग और जोश के साथ पढ़ाई में जुट गए हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने युक्तियुक्तकरण के संबंध में बताया कि युक्तियुक्तकरण से दोनों स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना हो गई है साथ ही दोनों स्कूलों में शिक्षकों की पदस्थापना से शासकीय माध्यमिक शाला जरहाटोला में शिक्षकों की संख्या २ हो गई है और विद्यार्थियों की संख्या जो पहले ५ थी अब ५६ हो गई है। इसी प्रकार प्राथमिक शाला टोलकुपारा में भी एक शिक्षक की पदस्थापना एवं बच्चों की संख्या भी बढ़ गई है। युक्तियुक्तकरण के बाद स्कूलों में शिक्षकों की संख्या पूरी हो गई।

शिक्षकों की पुनः पदस्थापना करने से लंबे समय से चल रहे शिक्षक विहीन स्कूल को शिक्षक और विषय विशेषज्ञ उपलब्ध हो पाया है। इसका सबसे बड़ा लाभ विद्यार्थियों को मिल रहा है और उनका भविष्य संवर रहा है। शिक्षकगण पूरी लगन के साथ बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे रहे हैं। विषय विशेषज्ञ की उपस्थिति से विषयवार कक्षा संचालित हो रही है, जिससे बच्चों की पढ़ाई सतत हो पा रही है। एकल शिक्षक द्वारा बच्चों को बहुविषयक पढ़ाया जाता था, जिससे बच्चों को विषय विशेषज्ञ का मार्गदर्शन नही मिल पा रहा था, वहीं अब विषय विशेषज्ञ मिलने से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हुआ और विद्यार्थियों को समुचित मार्गदर्शन और सभी विषयों में विषय विशेषज्ञ शिक्षक उपलब्ध होने से बच्चों में गहन समझ और बेहतर परिणाम मिलेंगे। युक्तियुक्तकरण शिक्षा के क्षेत्र में एक नवाचार लेकर आया है, यह नवाचार शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा और विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने की दिशा में सशक्त माध्यम होगा।

अभिनेता विक्कास मनकतला ने नीरज पांडे की स्पेशल ऑप्स 2 से ओटीटी पर किया दमदार डेब्यू

विक्कास मनकतला ने अपने ओटीटी करियर की धमाकेदार शुरूआत 'स्पेशल ऑप्स २' से कर दी है। नीरज पांडे के इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट में शामिल होना उनके १९ साल लंबे करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ है। टीवी से शुरूआत करने वाले इस अभिनेता ने २००६ में चर्चित शो च्लेफ्ट राइट लेफ्टज् से लोगों का दिल जीता था और तभी से उन्होंने कई टेलीविजन शोज में अपने अभिनय की छाप छोड़ी है।

लगभग दो दशकों की मेहनत और सफर के बाद, विक्कास अब ओटीटी की दुनिया में कदम रख रहे हैं – और वो भी एक ऐसी सीरीज के साथ जो पहले से ही अपनी थ्रिलिंग स्टोरीटेलिंग और दमदार परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती है। इस बदलाव को

सिर्फ माध्यम का बदलाव नहीं, बल्कि एक कलाकार के रूप में उनके नए अध्याय की शुरूआत माना जा सकता है। विक्कास ने अपनी तैयारी को लेकर कहा कि स्च्स्पेशल ऑप्स २ज् के लिए तैयारी सिर्फ शारीरिक नहीं थी, असली चुनौती थी उस एजेंट की मानसिक स्थिति को समझना – वो मानसिक मजबूती, पल में निर्णय लेने की ताकत और उस जीवन की भावनात्मक कीमत। और ये सब नीरज सर की दूरदृष्टि और मार्गदर्शन से ही मुमकिन हो पाया। हम सभी ने स्क्रीन पर असलियत लाने के लिए दिल से मेहनत की है। ये एक ऐसा रोल है जो पूरी तरह से समर्पण मांगता है झ और हमने कोई कसर नहीं छोड़ी। आज जो प्यार मिल रहा है, उसके लिए दिल से आभार है।

विक्कास की ये यात्रा इस बात का प्रमाण है कि सच्ची प्रतिभा और निरंतर प्रयास का फल जरूर मिलता है। 'स्पेशल ऑप्स २' में उनके किरदार को लेकर फैन्स में खासा उत्साह है, और हर कोई देखना चाहता है कि ये अनुभवी अभिनेता इस हाई-ऑक्टेन सीरीज में क्या नया लेकर आ रहे हैं। स्पेशल ऑप्स २ में विक्कास मानकतला के अलावा के-के मेनन, विनय पाठक, ताहिर राज भसीन, करन टैकर, सैयामी खेर, आरिफ जकारिया समेत कई जाने-माने कलाकार नजर आएंगे। यह शो ११ जुलाई से स्ट्रीम होगा।

प्रतिबंध के बाबजूद अवैध रेत खनन परिवहन नौ वाहन जब्त

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
प्रतिबंध के बाबजूद वर्षा काल में नदी नालों से अवैध रेत खनन जारी है।संसाधनों की लूट और खुलेआम अवैध कारोबार पर अब जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। कलेक्टर एस. जयवर्धन के सख्त निर्देश पर सोमवार को राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने लटोरी और खड़गवां क्षेत्रों में एक सघन जांच अभियान चलाया। इस अभियान में अवैध खनिज परिवहन और भंडारण में लिप्त ९ वाहनों को जब्त किया गया है। इस कार्रवाई में ६ वाहन बिना अनुमति रेत का अवैध परिवहन करते पकड़े गए हैं। २ हाइवा अवैध रूप से गिट्टी ले जाते पाए गए। १ वाहन बिना वैध दस्तावेज के मिट्टी और ईंट का परिवहन करते पकड़ा गया है। इन सभी जब्त वाहनों को लटोरी और खड़गवां पुलिस चौकियों की अभिरक्षा में रखा गया है। साथ ही मालिकों के विरुद्ध खनिज नियमों के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नकली खाद मामले में आज भी हुई जब्ती कार्यवाही

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)। नकली खाद बनाए जाने की आशंका पर पिछले दिनों शील किए गए एक और गोदाम को आज खुलवाकर कृषि विभाग द्वारा जब्ती की कार्यवाही की गई है। गौरतलब है कि पिछले दिनों ३० मई को कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देश पर सुरजपुर एसडीएम शिवानी जायसवाल के नेतृत्व में राजस्व, कृषि व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जयनगर में लक्ष्मी ट्रेडर्स में छापामार कार्यवाही की गई थी। यहां पर अधिकारियों द्वारा बड़े पैमाने पर नकली खाद बनाए जाने व अलग अलग कंपनी के लगभग पंद्रह हजार प्रिंटेड बोरी के अलावा अन्य संदिग्ध सामानों के पाए जाने पर गोदामों को शील करने के उपरांत जांच पड़ताल शुरू कर दी थी। गत दिनों पखवाड़े भर पूर्व कलेक्टर के निर्देश पर पिलखा नायब तहसीलदार मीना सिंह व उपसंचालक कृषि संपदा पैकरा की संयुक्त टीम द्वारा जयनगर में लक्ष्मी ट्रेडर्स के गोदामों को खुलवाने उपरांत जब्ती कार्यवाही की गई थी। इसी तारतम्य में सोमवार ३० जून को कृषि विभाग द्वारा पुनः लक्ष्मी ट्रेडर्स के ग्राम पंचायत कुंजनगर में स्थित एक अन्य गोदाम जिसका विभागीय रिकॉर्ड में नजरी नक्शा नहीं होने की वजह से अवैध रूप से गोदाम में स्टॉक किए गए अन्नदाता जीबो ७०० बोरी व यूरिया ३०० बोरी की जब्ती कार्यवाही की गई है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि आज जिस गोदाम से जब्ती कार्यवाही की गई है, उक्त गोदाम के स्टॉक का नजरी नक्शा नहीं है, जिस वजह से इसे अवैध गोदाम का स्टॉक मानकर उक्त कार्यवाही की गई है।

सिलफिली-लटोरी मार्ग में गड्ढों की भरमार चलना हुआ मुश्किल

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
एनएच-४३ पर सिलफिली से लटोरी मार्ग इन दिनों बुरी तरह गड्ढों और जलजमाव से जूझ रहा है। जहां सड़क होनी चाहिए, वहां पर कीचड़ है। लोग वाहन नहीं, जान जोखिम में डालकर चलने मजबूर हैं। गौरतलब है कि सिलफिली से लटोरी मार्ग की स्थिति इन दिनों लगातार हो रही बारिश की वजह से काफी दयनीय हो गई है। सड़क पर जगह जगह गड्ढे व पानी जमाव की वजह से आमजन को उक्त मार्ग पर सफर करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।गड्ढों में तब्दील हुए मार्ग पर न तो कोई पैदल सुरक्षित है, न ही बाइक, साइकिल या चारपहिया वाहन। कई जगह तो हाल ऐसा है कि यह तय कर पाना मुश्किल है कि यह सड़क है या पोखर। मरम्मत नाम की कोई चीज इस इलाके में वर्षों से नहीं हुई है। सिलफिली निवासी छात्र नेता

पीयूष कुशवाहा ने बताया कि हर दिन बाइक वाले गिरते हैं और स्कूल के बच्चे कीचड़ में फिसलते रहते हैं।
रात को तो गड्ढे दिखते भी नहीं हैं। फिर भी प्रशासन को फर्क नहीं पड़ता है। आरोप है कि कई बार जनप्रतिनिधियों व विभागीय अधिकारियों को उक्त बदहाल मार्ग के मरम्मत कार्य हेतु जानकारी दी गई लेकिन आज तक किसी ने भी आमजन की उक्त गंभीर समस्या की ओर ध्यान देना उचित नहीं समझा है। चुनाव के वक्त विकास की बड़ी-बड़ी बातें करने वाले अब गड्ढों में पड़ी सड़कों की तरफ देखने तक नहीं आ रहे हैं। लोगों की मांग है कि जिम्मेदार अधिकारी तत्काल सड़क की मरम्मत कराएं। साथ ही सड़क के जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराई जाए। सड़क सुरक्षा संकेत और लाइट की व्यवस्था की जाए। ज्ञात हो कि सिलफिली से लटोरी तक का हिस्सा कई गांवों को जोड़ने वाला यह मुख्य मार्ग होते हुए भी सबसे अधिक उपेक्षित है। इस मार्ग से कई गांवों के लोग बनारस हाइवे के अलावा संभाग मुख्यालय अंबिकापुर व जिला मुख्यालय सूरजपुर से जुड़ते हैं, लेकिन इसमें कोई सुधार नहीं हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि हमने हर दरवाजा खटखटाया, लेकिन जवाब सिर्फ वादे मिले। अब सड़क के गड्ढों में हमारी उम्मीदें भी गिर गई हैं।

अरुण कुमार त्यागी गेवरा जीएम बनाए गए,पदभार भी संभाला

इधर दो माह में बदल दिए गए तीन सब एरिया मैनेजर के प्रभार

बिश्रामपुर (अम्बिकावाणी समाचार)।
एशिया की सबसे बड़ी कोयला खदान गेवरा मेगा प्रोजेक्ट के नए जीएम अरुण कुमार त्यागी होंगे।आज ३० जून को एसईसीएल प्रबंधन ने चौदह माइनिंग अफसरों का तबादला कर उन्हें नई जिम्मेदारी दी है।गेवरा मेगा प्रोजेक्ट चलाने की जिम्मेदारी प्रबंधन ने अरुण कुमार त्यागी को दी है,त्यागी फिलहाल गेवरा मेगा प्रोजेक्ट जीएम कोर्डिनेशन का कार्य देख रहे थे।त्यागी कुछ माह पूर्व एनसीएल से तबादला के बाद एसईसीएल ज्वाइन किया था।तबादले से पहले वे एनसीएल में खड़िया जीएम के पद पर कार्य कर रहे थे।श्री त्यागी का बिश्रामपुर क्षेत्र से भी नाता रहा है पूर्व में वे बिश्रामपुर ओसीएम में

बतौर सेफ्टी मैनेजर एवं क्वारी इंचार्ज का भी दायित्व संभाला है।बता दें कि कोल इंडिया का कुल सलाना कोयला उत्पादन में अकेले गेवरा प्रोजेक्ट का आधा से अधिक योगदान रहता है इसलिए भी कोल इंडिया के साथ साथ एसईसीएल के लिए भी यह खदान खास महत्व रखता है।एसईसीएल से जारी तबादला आदेश में गेवरा के अतिरिक्त तेरह माइनिंग अफसर इधर उधर हुए हैं बिश्रामपुर क्षेत्र में अभी दो माह पूर्व तीन सब एरिया मैनेजरों को बदल नए अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई थी,इस आदेश में तीनों को फिर से बदल दिया गया है।जारी आदेश में महेंद्र पाल सिंह को हसदेव राजनगर से जमुना कोतमा के आमाडाड का सब एरिया मैनेजर नियुक्त किया गया है।
सुनील प्रसाद आजमनगर हसदेव से जाम पाली रायगढ़ के सब एरिया बनाए गए हैं। अमेरा सब एरिया मैनेजर राजेश खन्ना को दो माह बाद बिश्रामपुर एरिया से हटा उन्हें जमुना कोतमा एरिया का एरिया सेफ्टी ऑफिसर बनाया गया है। धर्मेंद्र कुमार रघुवंशी जमुना कोतमा से सब एरिया मैनेजर राजनगर हसदेव नियुक्त किए गए हैं।भटगांव से दो माह पूर्व तबादला के बाद बिश्रामपुर आमगांव खदान के सब एरिया मैनेजर बनाए गए अश्वनी चंद्रा को अब कुमदा सब एरिया मैनेजर की जिम्मेदारी दी गई है। कुमदा सब एरिया मैनेजर विजय कुमार अब बिश्रामपुर के आमगांव ओसीएम के नए सब एरिया मैनेजर होंगे।राजेश कुमार रॉय को कोरबा से राजनगर आर ओ हसदेव का सब एरिया मैनेजर नियुक्त किया गया है।विजय सिंह को जमुना कोतमा से वही बर तराई सब एरिया मैनेजर की जिम्मेदारी दी गई है।एम एम शर्मा जमुना कोतमा का एस ओ पी एंड पी नियुक्त किया गया है।जमुना कोतमा के मो शाहिद हेड क्वार्टर में पी एंड पी डिपार्टमेंट में तैनात किए गए हैं।नरेंद्र कुमार साहू दीपका से बगदेवा भूमिगत खदान के मैनेजर नियुक्त किए गए हैं।मनसा राम मंडावी बैकुंठपुर से मैनेजर खैरा यूजी सोहागपुर एरिया,उमाशंकर सिंह दीपका से खान बचाव केंद्र मनेन्द्रगढ़ हसदेव एरिया भेजे गए हैं।

सेटअप के आधार पर शिक्षक नहीं, बच्चों की पढ़ाई प्रभावित

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले के केल्हारी स्थित हायर सेकेण्डरी स्कूल में करीब 370 छात्र अध्ययनरत हैं, लेकिन यहां सेटअप के आधार पर शिक्षक पदस्थ नहीं किए गए हैं, जिसका असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है। स्कूल में शिक्षकों के साथ भृत्य का पद भी रिक्त पड़ा है।

केल्हारी में हायर सेकेंडरी स्कूल के यू डाइस कोड पर आत्मानंद स्कूल भी संचालित है। आत्मानंद स्कूल में शिक्षक पर्याप्त हैं, लेकिन हायर सेकेंडरी स्कूल में रसायन शास्त्र, राजनीति, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र व संस्कृत के व्याख्याता नहीं हैं। प्राचार्य का पद भी रिक्त है। इसी प्रकार सहायक शिक्षक विज्ञान प्रयोगशाला के तीनों पद, शिक्षक व भृत्य का एक-एक पद एवं चैकीदार का एक पद भी रिक्त है। इस सत्र से आईटी व हार्डवेयर कोर्स भी प्रारंभ किया गया है जिसके शिक्षक भी नहीं हैं। जगह कम होने के कारण हायर सेकेंडरी व आत्मानंद स्कूल अलग-अलग पाली में संचालित है। इस कारण प्रभारी प्राचार्य को व्यवस्था बनाने में अधिक परेशानी होती है।

हायर सेकेंडरी में करीब 370 छात्र अध्ययनरत हैं। शिक्षकों की कमी का असर बच्चों की पढ़ाई पर पड़ रहा है जिसे देखते हुए जिला पंचायत एमसीबी में सांसद प्रतिनिधि अधिवक्ता रामनरेश पटेल के द्वारा कलेक्टर को पत्र लिखकर शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल केल्हारी के सेटअप के आधार पर व्याख्याता व अन्य शिक्षकों की व्यवस्था किए जाने एवं आत्मानंद स्कूल का यू डाइस कोड अलग किए जाने का अनुरोध किया है।

छोटी खबरें

जून माह के अंतिम दिवस 52 रेल कर्मियों को दी गई विदाई

बिश्रामपुर - दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत५२ रेल परिवार के सदस्य माह जून २०२५ में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात सेवानिवृत्त सेवानिवृत्त हुये ।

मंडल कार्मिक सभाकक्ष में आयोजित सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त हो रहे समस्त कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई । इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी रुहिना तुफैल खान ने सेवानिवृत्त हो रहे सभी कर्मचारियों को बंदोबस्त भुगतान से संबंधित समस्त दस्तावेज, सेवा प्रशस्ति प्रमाण-पत्र एवं सेवा मैडल आदि प्रदान किया गया 7 इस दौरान मुख्य कार्यालय अधीक्षक (आईटी) सेवक रजक द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उम्मीद कार्ड (मेडिकल) व बंदोबस्त से संबन्धित नियमों से अवगत कराया गया 7

इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन, कल्याण निरीक्षक तथा कार्मिक निपटारा शाखा के कर्मचारीगण उपस्थित थे।

मंडल के सेवानिवृत्त हो रहे ५२ रेल परिवार के सदस्यों में परिचालन विभाग से १४, इंजीनियरिंग विभाग से १०, विद्युत विभाग से ११, यांत्रिक विभाग से ०३, चिकित्सा विभाग से ०३, कार्मिक विभाग से ०१, सिग्नल व दूरसंचार से ०४ तथा वाणिज्य विभाग से ०६ कर्मचारी शामिल हैं ।

इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी रुहिना तुफैल खान ने रेलवे प्रशासन की ओर से सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी गौरवशाली रेल सेवा के लिए बधाई दी। मंडल रेल प्रशासन अपने समर्पित कर्मचारियों की दीर्घकालिक सेवा को ससम्मान याद रखते हुये उनके जीवन की नई चरण के लिए शुभकामनायें प्रेषित किया है।

हिट एंड रन दुर्घटनाओं से संबंधित दावों की प्रगति की हुई समीक्षा, आंकड़ों में भिन्नता पर कलेक्टर ने जताई चिंता

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। सोमवार को कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में हिट एंड रन मामलों को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य जिले में घटित हिट एंड रन दुर्घटनाओं से संबंधित दावों की प्रगति की समीक्षा करना और संबंधित प्रक्रियाओं में आ रही बाधाओं को दूर करना रहा। बैठक में यह जानकारी दी गई कि अब तक कुल 14 प्रकरण शासन को भेजे गए हैं, जिनमें से 7 प्रकरणों को दस्तावेजी त्रुटियों के कारण वापस किया गया है। इनमें आधार विवरण की कमी, दस्तावेजों का सत्यापन न होना तथा अन्य तकनीकी त्रुटियां प्रमुख कारण रहीं। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी लंबित और त्रुटिपूर्ण प्रकरणों को संबंधित एसडीएम के माध्यम से संशोधित कर पुनः प्रेषित किया जाए। इस क्रम में मनेन्द्रगढ़ एसडीएम लिंगराज सिदार को इन दावों की जांच का दायित्व सौंपा गया है। बैठक में पूर्व जिला कोरिया से जुड़े प्रकरणों की भी समीक्षा की गई, जो जिले के विभाजन से पहले के हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि ऐसे सभी प्रकरणों को संबंधित दस्तावेजों के साथ कोरिया जिले को अग्रेषित किया जाए तथा एसपी कोरिया से समुचित जानकारी एकत्रित की जाए। इसके अतिरिक्त यह भी स्पष्ट किया गया कि 1 अप्रैल 2022 से पूर्व के प्रकरणों की संख्या और उनकी स्थिति की रिपोर्ट तत्काल मंगाई जाए। कलेक्टर ने इस बात पर भी चिंता जताई कि एसडीएम और एसपी द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में भिन्नता पाई गई है, जिसे जल्द दूर करना आवश्यक है। दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर ट्रैफिक और सड़क सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की गई, जिसमें आरटीओ को निर्देशित किया गया कि वे जिले में स्थित ब्लाइंड स्पॉट, स्पीड ब्रेकर और अन्य संभावित दुर्घटना स्थलों की सूची तैयार कर आवश्यक निर्देश जारी करें। साथ ही आरटीओ से जिले में हुई दुर्घटनाओं की संख्यात्मक जानकारी भी मंगाई गई है, ताकि समीक्षा और योजना निर्माण में इसका उपयोग किया जा सके। सभी क्षेत्रों में अस्पतालों एवं बचाव दलों की त्वरित तैनाती हेतु योजना बनाई जा रही है, जिससे दुर्घटना के बाद राहत और उपचार कार्यों में कोई देरी न हो। वहीं बीमा भुगतान से जुड़े मामलों की समीक्षा के लिए बीमा सचिव को पत्र प्रेषित किया जाएगा, जिसमें यह स्पष्ट करने को कहा गया है कि अब तक कितने दावों का भुगतान हो चुका है, किन दावों का नहीं हुआ है और उसका कारण क्या है। अंत में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि हर अनुभाग में संबंधित एसडीएम ही दावों की जांच अधिकारी होंगे और वे अपने क्षेत्र के सभी प्रकरणों की जांच सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। बैठक में अपर कलेक्टर विनायक शर्मा, अनिल कुमार सिदार, सहायक पुलिस अधीक्षक संचित मिंज, ऑर्थो वेलफेयर फंड से शकील अहमद, तरून प्रताप सिंह, एसडीएम प्रितेश सिंह राजपूत, विजयेन्द्र सिंह सारथी, लिंगराज सिदार और मिथिलेश यादव उपस्थित थे।

क्लीन कोरिया, ग्रीन कोरिया बनाने में रंग ला रही है कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी की पहल

वनांचल सोनहत में जनभागीदारी से एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सुनहरा कदम
42 ग्राम पंचायतों के 8 हजार आवासीय परिसर में एक संकल्प के साथ लगाए गए 24 हजार पौधे

कोरिया बैकुंठपुर - देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जारी अभियान एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत कोरिया जिले के सोनहत जनपद पंचायत में आज व्यापक स्तर पर पौधारोपण अभियान चलाया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान की कड़ी में एक बड़ा कदम बढ़ाते हुए वनांचल जनपद पंचायत सोनहत के सभी ४२ ग्राम पंचायतों में एक साथ २४ हजार पौधे रोपे गए और उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया गया। एक साथ बड़े पैमाने पर हुए इस पौधारोपण में वनांचल के ८ हजार आवास हितग्राहियों ने एक साथ संकल्प लेकर अपने आवासों के परिसर में आज सुबह से पौधारोपण किया। इस अभियान के तहत पूरे जनपद के प्रत्येक आवास हितग्राहियों ने तीन-तीन पौधों के मान से अपने आवासों के आस-पास पौधे लगाए और फिर उनकी सुरक्षा का संकल्प लिया। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी द्वारा जिले को क्लीन कोरिया ग्रीन कोरिया का नारा देते हुए इसकी संकल्पना को साकार करने के लिए प्रत्येक स्तर पर जनभागीदारी को सर्वाधिक महत्व का विषय बताते हुए सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं।

एक साथ लगाए गए २४ हजार पौधे कोरिया जिले में ऐसा पहली बार हुआ है जब एक साथ एक दिन जनभागीदारी से एक साथ इतनी बड़ी संख्या में पौधों का रोपण हुआ है। एक पेड़ मां के नाम अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना बनाकर वनांचल जनपद के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में जनभागीदारी का आवाहन किया गया। सभी को वृक्षारोपण की अनिवार्यता और लाभ के बारे में जागरूक करते हुए सहभागिता बनाकर आवास तक पौधे उपलब्ध कराए गए और ग्राम पंचायतों की पहल के साथ सभी हितग्राहियों ने एक साथ इस व्यापक पौधारोपण अभियान में हिस्सेदारी की और एक पेड़ मां के नाम लगाकर क्लीन कोरिया,ग्रीन कोरिया को मजबूत किया। ३० जून की सुबह नौ बजे से ४२ ग्रामों में एक साथ आठ हजार परिवारों ने तीन पौधे प्रत्येक के मान से कुल २४ हजार फलदार पौधे लगाकर नई इबारत लिखी।

सीईओ जिला पंचायत डॉ आशुतोष चतुर्वेदी
जिले में कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के लिए कार्ययोजना बनाकर पौधरोपण अभियान की सफलता के निर्देश दिए गए हैं। जिले में विभागों के साथ ब्लाक प्लांटेशन और लीनियर प्लांटेशन के साथ व्यक्तिगत हितग्राहियों की श्रेणी का पृथक पृथक चिन्हाकन कर पौधरोपण कार्य कराया जा रहा है। इस वर्ष कोरिया जिले में पौधरोपण के साथ ही सबसे ज्यादा उनकी सुरक्षा के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इसके लिए आम नागरिकों को संकल्प दिलाया जा रहा है जिससे सभी पौधे आगे चलकर कोरिया की हरियाली को बढ़ा सकें।

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी -
आज कोरिया जिले के वनांचल क्षेत्र के आठ हजार कोरियावासियों ने एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़कर २४ हजार पौधे लगा दिए हैं। यह एक नई शुरूआत है जब इतनी बड़ी संख्या में जनभागीदारी से पौधे एक साथ एक दिन लगा लिए गए हैं। सभी ने इनकी सुरक्षा का संकल्प लिया है। आने वाले समय में पौधरोपण अभियान के अंतर्गत और भी जगहों पर बड़ी संख्या में जनसहयोग से एक पेड़ मां के नाम लगाए जाने की कार्यवाही की जानी है।

स्वच्छता केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जनसहभागिता भी जरूरी, स्वच्छ सर्वेक्षण अभियान

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। जिले के मनेंद्रगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम चैनपुर में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें समस्त ग्राम पंचायतों से आई हुई आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 अभियान को सफल बनाने के लिए डिजिटल माध्यम से जनभागीदारी सुनिश्चित करना था। कार्यशाला के दौरान सभी उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकताओं को स्वच्छ सर्वेक्षण मोबाइल ऐप डाउनलोड करवाया गया तथा उन्हें ऐप के माध्यम से ऑनलाइन वोटिंग करने की प्रक्रिया को विस्तार से समझाया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़कर उन्हें ऐप के माध्यम से स्वच्छता के पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित करें। अधिकारियों ने बताया कि स्वच्छता केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जनसहभागिता से ही संभव है। ऐसे में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता गांव-गांव में लोगों के बीच जाकर न केवल ऐप के उपयोग के प्रति जागरूकता फैलाएं, बल्कि ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति संवेदनशील बनाएं और उन्हें इस डिजिटल पहल में भाग लेने के लिए प्रेरित करें। वहीं कार्यशाला में स्वच्छता, जनभागीदारी और डिजिटल सशक्तिकरण के इस समन्वय को ग्रामीण विकास की दिशा में एक सकारात्मक पहल बताया गया। कार्यक्रम के अंत में आंगनबाड़ी कार्यकताओं ने संकल्प लिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में स्वच्छता सर्वेक्षण में अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करेंगी और गांवों को स्वच्छ व सशक्त बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगी।

मुख्य सचिव अमिताभ जैन को मिला तीन माह का एक्सटेंशन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन को केंद्र सरकार ने तीन माह का एक्सटेंशन दिया गया है। वे सितंबर तक इस पद पर बने रहेंगे। श्री जैन पहले मुख्य सचिव हैं जिन्हें सेवा विस्तार मिला है। 1989 बैच के आईपीएस जैन बीते चार साल से प्रदेश के मुख्य सचिव के पद पदस्थ है और आज, 30 जून को वे सेवानिवृत्त हो रहे थे लेकिन केन्द्र सरकार ने उन्हें एक्सटेंशन देने का फैसला लिया है। जिसके आदेश जारी कर दिए गए हैं।

दिनेश्वर मिश्रा पुनः बने सशिमं मनेंद्रगढ़ के व्यवस्थापक

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। सरस्वती शिशु मंदिर मनेंद्रगढ़ कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक विद्यालय परिसर में आयोजित की गई, जिसमें सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश्वर मिश्रा को सर्वसम्मति से पुनः विद्यालय व्यवस्थापक नियुक्त किया गया। मिश्रा पूर्व में भी इस पद पर कार्य कर चुके हैं और उनकी कार्यशैली एवं संगठन कौशल की सभी ने सराहना की है।

बैठक में विद्यालय समिति का पुनर्गठन करते हुए पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई। नई कार्यकारिणी में व्यवस्थापक दिनेश्वर मिश्रा, अध्यक्ष सुंदरलाल दुग्गड, उपाध्यक्ष महेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष गणेश अग्रवाल, सह व्यवस्थापक पुरुषोत्तम गुप्ता व कार्यकारिणी सदस्य के रूप में पवन फरमानिया को शामिल किया गया है। इस अवसर पर समिति के सभी सदस्यों ने नव नियुक्त व्यवस्थापक सहित समस्त कार्यकारिणी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सभी ने आशा व्यक्त की कि दिनेश्वर मिश्रा के मार्गदर्शन में विद्यालय शिक्षा, अनुशासन और संस्कृति के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

पत्रकारों के विभिन्न संगठन पत्रकार हित में हुए एकजुट, पत्रकार भवन में लिए गए कई अहम निर्णय

कोरिया बैकुंठपुर - लोकतांत्रिक देश में व्यवस्थापिका, कार्यपालिका न्यायपालिका के बाद सबसे अहम स्तंभ है लोकतंत्र का चौथा स्तंभ प्रेस और पत्रकारिता । जनसरोकार और निष्पक्षता के साथ क्रियाशील पत्रकारिता जो पैनी नजर रखे शासन प्रशासन के साथ जनता के बीच के सटीक धुरी बने। इसकी स्वतंत्रता का हनन ना हो और अव्यवस्था पर कलम चले और शासन जागरूक हो उक्ताशय के विचार वरिष्ठ पत्रकार विनोद शर्मा ने पत्रकार भवन में आयोजित बैठक में व्यक्त किए।

विदित हो कि स्थानीय पत्रकार भवन में विभिन्न संगठनों के वरिष्ठ पत्रकार,संपादकगण की उपस्थिति में बैठक आयोजित हुई कार्यक्रम की रूपरेखा पर पत्रकार योगेश चंद्रा ने प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सब एक है, और आज यहां कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर निर्णय लेने उपस्थित हुए है पत्रकार हित ही हमारा उद्देश्य है पत्रकार को अवसर की समता का लाभ हो और वह सुरक्षित जीवन जिए। बैठक में प्रेस क्लब के अध्यक्ष वरिष्ठ संपादक कमलेश शर्मा ने कहा कि पत्रकार जनता और तंत्र को चलायमान करने वाले प्रत्येक इकाई की धुरी है, अगर यह वर्ग नही हो तो सूचनाओं, योजनाओं और जनता की आवाज कौन उठाएगा इसलिए इनका उचित सम्मान इन्हे मिलना जरूरी है। जिला जर्नलिस्ट प्रेस क्लब कोरिया के अध्यक्ष प्रविंद्र सिंह ने कहा कि पत्रकार के लिए जरूरी है वह अपने कलम का सार्थक उपयोग करे। समस्याओं को दिखाए जनहित की पत्रकारिता को प्रेरित हो इसके साथ ही शासन के बढ़िया कार्य जो जमीनी स्तर पर हुए है उसे भी स्थान दें। कभी कभी ऐसी घटनाए सामने आती है जो पत्रकारों को लेकर जो हृदय विदारक हो जाती है अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने पर दबाने के लिए कई हथकंडे अपना लिए जाते है इसलिए पत्रकार सुरक्षा अत्यधिक जरूरी है। संपादक दुष्यंत कुमार ने कहा कि पत्रकार अपने जान को जोखिम में डालकर अपने कर्तव्य का निर्वहन करते है। निष्पक्ष पत्रकारिता और जनसरोकार की पत्रकारिता करने वालो के लिए कई चुनौतियां है उन्होंने पत्रकार हित और एकता पर बल दिया। सभा को संबोधित करते हुए वरिष्ठ फारुख ढेबर ने कहा कि पत्रकार के लिए सबसे जरूरी है रोजमर्रा की जिंदगी में समाचार के साथ साथ आय का सुगम साधन की उपलब्धता यह सुनिश्चित होना जरूरी है। पत्रकार मनोज सिंह ने कहा कि पत्रकार हित को लेकर योजना बने, बैठक का समय समय पर आयोजन हो और निर्णयों का सही क्रियान्वयन हो। वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण विभूति तिवारी ने कहा कि पत्रकार अपना कार्य कर रहा है लेकिन उसका उचित मानदेय उसे प्राप्त नही होता वह अपना पूरा समय निकालकर केवल जनता को सूचना पहुंचाने का कार्य करता है उसके लिए भी सोचना जरूरी है जो अमूमन होता नही है। पत्रकार राजन पांडे ने कहा कि पत्रकारों के हित में केवल बात नही कार्य होना जरूरी है। उसके संघर्ष को समझना जरूरी है,उसके दिनचर्या को समझिए कि वह कैसे ग्राम ,जंगल, शहर, आदि स्थानों में मौसम की मार कभी भूखे प्यासे कभी जान को जोखिम में डालकर पत्रकारिता करता है उसके लिए बने नियम क्रियाशील नही है जो बहुत जरूरी है। पत्रकार कमालुद्दीन ने कहा कि संगठन भले कई है लेकिन सब एकता के सूत्र में बंधे और एक संघटन को लेकर आगे बढ़े।

इसी तरह अजीम अंसारी ने कहा कि यह बहुत सुंदर समायोजन है कि सभी यहां उपस्थित है। सभी निर्णय लेकर इस वर्ग के हितबद्ध कार्य करें। अमित श्रीवास्तव ने कहा कि जरूरी है कि बैठक में जो बाते पत्रकार हित में आई है वह सार्थक हो और उस पर कार्य हो ।युवा पत्रकार राजू खान ने कहा कि पत्रकारों के साथ अन्याय और कही कही मुंहदेखी हो जाती है यह नही होनी चाहिए लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कार्यशील है सभी अपने अपने जगह उचित दायित्व का निर्वहन करते है। युवा पत्रकार शाहबाज आलम ने कहा कि इस फील्ड में कुछ दुक्कते आती है जो सार्थक लोग है भवन में उनका नाम और बैनर डिस्प्ले होना चाहिए ताकि अन्य को जानकारी मिले ।कार्यक्रम में संवर्त कुमार च्रूपज् ने कहा कि च्पत्रकार को विचारों में एक होना आवश्यक है, जर्नलिज्म अर्थात दैनिक कार्यों का लेखा जोखा को प्रदर्शित करना और यह बड़ी भूमिका लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को निभानी है । पत्रकारिता के कई आयाम है ग्रामीण, शहरी, कारपोरेट, खेल, राजनीति, शासन प्रशासन, पेज थ्री, और बचा तो पीत आदि प्रत्येक आयाम में जरूरत है आपका ककारों में पकड़, आपकी शैली आपकी भाषा आपका मुख्य बिंदु और आपका प्रदर्शन। कॉपी पेस्ट में ना लड़कर थोड़ा मेहनत की जरूरत है इससे आपका समाचार श्रेष्ठ होगा और आपका बैनर फिर आपको वह मिलेगा जिसके आप अभिलाषी है। उन्होंने आगे कहा कि आज हमारे वरिष्ठ जन कनिष्ठ जन सब एक साथ है यही दृश्य सदैव दिखना चाहिए केवल दलगत और स्वार्थ से परे तभी एकता सुनिश्चित होगी। आभार प्रदर्शन करते हुए बैठक के संयोजक अनूप बड़ेरिया ने कहा कि आप सभी कलम के जादुगर है सिपाही है। और अपने अपने जगह पर सजग है क्रियाशील है। आप सबने अपना अमूल्य समय इस महत्वपूर्ण बैठक में दिया है।

आपको बता दें उक्त बैठक में कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए जिसमे पत्रकारों हेतु आवास निर्माण हेतु भूमि आवंटन को लेकर पंजीकृत सोसाइटी का गठन करना,पत्रकार भवन में च्प्रेस से मिलिएज् कार्यक्रम का आयोजन हो जिसमे मंत्री,विधायक और आधिकारी सम्मिलित हो उचित सम्मान पत्रकार को मिले, पत्रकार भवन के कुछ हिस्सों को भाजपा कार्यकाय हेतु किराए पर दिया जाना ताकि आय का साधन पत्रकारहित में सुनिश्चित हो,पत्रकार भवन के संचालन और निर्णय के लिए एक संचालन समिति का गठन करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में विनोद शर्मा, कमलेश शर्मा, फारुख ढेबर, दुष्यंत कुमार, अनूप बड़ेरिया, योगेश चंद्रा कृष्ण विभूति तिवारी, अमित श्रीवास्तव, संवर्त कुमार रूप राजन पांडे, मनोज सिंह, अजीम अंसारी, कमालुद्दीन, तीराजुद्दीन राजू खान,अजय गुप्ता, अजय रजक, अनवर आलम सिद्दीकी, मो शाहबाज आलम, लाल दास महंत कल्ला सहित कई पत्रकारगण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से रोशन हुए घर-हितग्राहियों ने जताया सरकार के प्रति आभार

कोरिया बैकुंठपुर - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी असर दिखाने लगी है। कोरिया जिले के ग्राम तलवापारा में इस योजना का लाभ उठाकर कई परिवार अब सौर ऊर्जा के माध्यम से सस्ती और स्थायी बिजली प्राप्त कर रहे हैं।

ग्राम तलवापारा निवासी ओमप्रकाश राजवाड़े की पत्नी श्रीमती मंजूषा राजवाड़े ने बताया कि उन्होंने अपने घर में ३ किलोवाट की सौर ऊर्जा प्रणाली लगाई है, जिससे अब उनके बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। पहले हर महीने १६०० से १७०० रुपये तक का बिल आता था, जो अब घटकर ४०० से ५०० रुपए हो गया है। श्रीमती राजवाड़े ने बताया कि उन्हें इस योजना की जानकारी समाचार पत्रों से मिली। इसके बाद उन्होंने स्थानीय बिजली कार्यालय जाकर पूरी जानकारी प्राप्त की और आवेदन किया।

इस योजना के अंतर्गत उन्हें बैंक से ऋण प्राप्त हुआ और सरकार द्वारा ७८,००० रुपये की सब्सिडी भी दी गई। इससे उन्हें सौर यूनिट लगवाने में बहुत मदद मिली। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस योजना ने आम जनता को आर्थिक रूप से राहत दी है और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत कदम है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना का उद्देश्य देश के नागरिकों को सौर ऊर्जा का अधिकतम लाभ देना है, जिससे न केवल बिजली की बचत हो, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिले ।जिले में इस योजना के सफल क्रियान्वयन से अब अन्य ग्रामीण भी प्रेरित हो रहे हैं और आवेदन की प्रक्रिया में जुटे हैं।

अम्बिकावाणी
रायपुर, मंगलवार 01 जुलाई, 2025

अगर आप सदा स्वयं की दूसरों के साथ तुलना करते रहते हैं तो आप अवश्य ही अहंकार अथवा ईर्ष्या के शिकार हो जायेंगे। 0 ब्रम्हकुमारी

संपादकीय

नकदी की बरामदगी साफ कदाचार की घटना

भारत में जैसे भ्रष्टाचार को लगभग स्वीकृति सी मिल चुकी है, किसी भी विभाग में कोई भी काम कराना हो चपरासी से लेकर अफसर तक सबकी यथायोग्य भेंट पूजा को आम जनता ने खुशी से आत्मसात सा कर लिया है।

आए दिन पड़ने वाले छापों में होने वाली ऊपर की कमाई की बरामदगी की खबरा से कोई नहीं चौंकता, लेकिन दिल्ली हाई कोर्ट के तत्कालीन जज जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास के स्टोर रूम में 14 मार्च की आधी रात को लगी आग बुझाने पहुंचे अग्निशमन कर्मियों को अधजले नोटों की गड्डियां मिलने की खबर जब आई थी तो सब चौंक गए थे। जज के घर से नकदी की बरामदगी साफ कदाचार की घटना थी, मगर कार्रवाई के नाम पर उन्हें वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट भेज दिया गया। वर्मा खुद को निदरेष बताते हुए अपने खिलाफ षडयंत्र की बात कहते रहे। मामले की जांच के लिए गठित समिति की शुरूआती रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना राष्ट्रपति द्रौपदी मुमरू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने की सिफारिश कर चुके हैं। अब जो ब्योरा सामने आया है; उसके तहत जांच समिति ने 10 दिन की पड़ताल और 55 गवाहों के बयान के आधार जज वर्मा के खिलाफ ठोस सबूत जुटाए हैं और उन्हें हटाने की सिफारिश की है। अब जो ब्योरा सामने आया है; उसके तहत जांच समिति ने 10 दिन की पड़ताल और 55 गवाहों के बयान के आधार जज वर्मा के खिलाफ ठोस सबूत जुटाए हैं और उन्हें हटाने की सिफारिश की है। 64 पन्नों की रिपोर्ट में समिति ने जस्टिस वर्मा की बेगुनाही की दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया। अग्निकांड के अगले ही दिन तड़के कोठी से अधजले नोटों की सफाई कर देने की घटना ने बड़ा मात्रा में नकदी होने के संदेहों को पुख्ता कर दिया। रिपोर्ट में कहा कि जस्टिस वर्मा के घरेलू स्टाफ ने अपने मालिक के पक्ष में बयान दिए, लेकिन अग्निशमन और दिल्ली पुलिस के स्वतंत्र गवाहों के बयान से साफ है कि जज के सरकारी आवास पर 4-5 बोरियों में नोटों की गड्डियां थीं। परस्पर विरोधी बयानों का विश्लेषण करने के बाद समिति ने घरेलू कर्मचारियों का झूठ पकड़ लिया। समिति ने पाया कि जस्टिस वर्मा की दलीलें सच्चाई से कोसों दूर हैं। पाया गया कि स्टोर पर घर वालों का गुप्त या सक्रिय नियंत्रण था। घटना की एफआईआर न कराने और वर्मा के चुप्पी साध लेने से मामला खुल गया।

वन पट्टों के फौती और नामांतरण की प्रक्रिया अब आसान

जी.एस. केशरवानी

छत्तीसगढ़ सरकार की नई पहल से वन पट्टों के फौती नामांतरण की प्रक्रिया सरल और व्यवस्थित हो गई है। किसी पट्टाधारी की मृत्यु के बाद उसके वैध वारिसों को अधिकार अब आसानी से मिल रहा है। वारिसों के नाम पर पट्टा दर्ज होने से वे न केवल भूमि के वैधानिक स्वामी बन पा रहे हैं, बल्कि शासकीय योजनाओं का लाभ भी उन्हें सुलभता से मिल रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि प्रत्येक वनभूमि पट्टाधारी परिवार को उसका पूरा हक और सम्मान दिलाना, हमारी सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। देश में वन अधिकार अधिनियम के अंतर्गत कुल 23 लाख 88 हजार 834 व्यक्तिगत वन अधिकार पत्रो का वितरण मार्च 2025 तक किया गया है, इनमें छत्तीसगढ़ राज्य में कुल 4 लाख 82 हजार 471 व्यक्तिगत वन पत्रधारक हैं। राज्य में वन पट्टाधारकों की यह संख्या देश में सर्वाधिक है। वन अधिकार अधिनियम, 2006 का क्रियान्वयन वर्ष 2008 से देश में हो रहा है लेकिन इस अधिनियम में वन अधिकार पत्रधारक की मृत्यु होने की दशा में उनके विधिक वारिसानों को भूमि के नामांतरण के संबंध में प्रक्रिया नहीं होने के कारण नामांतरण नहीं हो पा रहा था साथ ही उन्हें शासन के योजनाओं और सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। छत्तीसगढ़ सरकार ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर इस कठिनाई को दूर करने के लिए तथा वंशजों का नाम पर काबिज वनभूमि का हस्तांतरण एवं राजस्व तथा वन अभिलेखों में दर्ज करने का निर्णय लिया। वन पट्टों के फौति-नामांतरण की सरल प्रक्रिया तय की गई है। अकेले छत्तीसगढ़ में ही 11 हजार 600 से अधिक वंशजों के आवेदन इसके लिए प्राप्त हुए हैं, जिन्हें प्रक्रिया के अभाव में नामांतरण के लिए भटकना पड़ रहा है। राज्य सरकार के इस निर्णय से अब उन्हें उनकी समस्या का निदान मिल गया है।

ऐसे लोगों को छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मोर जंगल, मोर जमीन, मोर वन अधिकार के माध्यम से वनों में निवास करने वाली अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परपरागत वन निवासियों द्वारा काबिज पैतृक भूमि पर वन अधिकारों की मान्यता प्रदान की जा रही है। साथ ही पत्रधारकों के अभिलेख दुरुस्तीकरण एवं डिजिटलाईजेशन, नामांतरण, सीमांकन, खाता विभाजन संबंधी कार्य सुगमता से हो रहा है। राज्य में नामांतरण, सीमांकन, बटवारा, त्रुटि सुधार एवं अपील के अंतर्गत अब तक प्राप्त 11623 आवेदनों में से 3800 आवेदनों का निराकरण किया गया है। इसके फलस्वरुप विधिक वारिसान जो विभिन्न शासकीय योजनाओं तथा अन्य सुविधा से वंचित थे, उन्हे अब पीएम किसान सम्मान निधि, धान खरीदी आदि का लाभ भी मिल रहा है।

नामांतरण प्रक्रिया

नामांतरण की प्रक्रिया के अंतर्गत वन अधिकार मान्यता पत्रधारक का निधन होने पर कैफियत कॉलम में दर्ज प्रविष्टि में संशोधन किया जाता है। विधिक वारिसानों के मध्य वन अधिकार पत्र की वन भूमि के बंटवाने की प्रक्रिया-वन अधिकार मान्यता पत्रधारी के जीवनकाल में उनके द्वारा प्रस्तावित या उसकी मृत्यु के उपरांत विधिक वारिसानों के मध्य खाता विभाजन करने की सुविधा दी जा रही है। सरकारी नक्शों में मान्य वन अधिकारों के सीमांकन की कार्रवाई की जाती है। संबंधित विभागों के अभिलेखों में वन अधिकारों को दर्ज करना किया जाता है। वन अधिकार पुस्तिका आदि अभिलेखों में त्रुटि का निराकरण भी किया जा रहा है।

वन अधिकार पत्रों का डिजिटाइजेशन

वन अधिकार पत्रों को डिजिटाईज कर ऑनलाईन उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रिमोट सेन्सिंग एवं जीआईएस तकनीकी का उपयोग किया जा रहा है। वन पट्टों के साथ अन्य जानकारी जैसे आधार, जनधन खाते, जॉब कार्ड आदि की जानकारी भी जोड़ी जा रही है। इससे व्यक्तिगत वन अधिकार पत्रधारक को न केवल अधिकार संबंधित सभी जानकारी सहजता से मिल रही है, बल्कि किसी वन अधिकार पत्रधारक के पास वन अधिकार पत्र उपलब्ध नहीं है तो वह

इसे ऑनलाईन प्राप्त कर रहे हैं। डिजिटलाईजेशन के तहत व्यक्तिगत वन अधिकार के 4 लाख 82 हजार 471 पत्र धारकों में से 3 लाख 40 हजार 129 के स्कैनिंग अपलोडिंग का कार्य किया जा चुका है, जिसका लाभ पीढ़ियों तक वन अधिकार पत्रधारक एवं उनके वंशजो को मिलता रहेगा।

वन अधिकार पट्टों का क्रियान्वयन

छत्तीसगढ़ में व्यक्तिगत वन अधिकार के अंतर्गत 4 लाख 82 हजार 471 वनपट्टे वितरित किए गए हैं इसी प्रकार सामुदायिक वनधिकार के अंतर्गत 48 हजार 249 और सामुदायिक वन संसाधन अधिकार 4 हजार 396 पट्टों का वितरण किया गया है।

लेखक उप संचालक हैं

डिजिटल क्रांतिः छत्तीसगढ़ में टेक्नोलॉजी से ट्रांसफॉरमेशन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ डिजिटल इंडिया के सपने को साकार कर रहा है। राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों और तकनीकी नवाचारों के बल पर छत्तीसगढ़ डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंत्रालय से लेकर ग्राम पंचायतों तक डिजिटल तकनीक ने शासकीय कामकाज को आसान एवं प्रभावी बनाया है। प्रदेश के 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र के माध्यम से बुजुर्ग पेंशनरों, महतारी वंदन योजना की लाभार्थी महिलाओं को नगद आहरण की सुविधा दी जा रही है।

विभिन्न योजनाओं की डीबीटी की राशि का ग्राम पंचायतों में ही नगद भुगतान की सुविधा होने से ग्रामीणों को बैंक शाखाओं तक नहीं जाना पड़ रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने मंत्रालयों और संचालनालयों में ई-ऑफिस प्रणाली को सफलतापूर्वक संचालित करने के बाद अब जिलों में भी ई-ऑफिस का क्रियान्वयन किया जा रहा है। कार्यालयीन कामकाज में कागजी कार्यवाही को न्यूनतम करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। इससे कार्यालयीन कामकाज में तेजी आई है एवं प्रक्रिया और पारदर्शी हुई है। इस पहल से फाईलों के निपटारे में अनावश्यक लेटलतीफी दूर हुई है त्वरित निर्णय हो रहे हैं। 10 डिजिटल सेवाओं की शुरूआत से जमीन की रजिस्ट्री आसान और पारदर्शी हो रही है। आधार प्रमाणीकरण से अपाईमेंट लेकर घर बैठे जमीन एवं मकान की रजिस्ट्री कराई जा रही है। रजिस्ट्री के बाद नामांतरण की प्रक्रिया स्वतः पूरी हो जाती है।

राजस्व प्रशासन को दुरूस्त करने छत्तीसगढ़ के 14 हजार 490 गांवों का जियो रिफ्रेंसिंग का महत्वाकांक्षी कार्य पूरा हो चुका है। इस तकनीक से भूमि संबंधी विवाद दूर होंगे। खरीफ वर्ष 2025-26 में डिजिटल फसल सर्वेक्षण हेतु 14 हजार से अधिक गांवों का चयन किया गया है। ई-कोर्ट के माध्यम से राज्य में राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध एवं त्वरित निराकरण किया जा रहा है। साथ ही, अटल मॉनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों की रीयल-टाइम निगरानी की जा रही है। शासकीय खरीदी में पारदर्शिता के लिए जेम पोर्टल को अनिवार्य किया गया है, जिससे शासकीय खरीद प्रक्रिया में निष्पक्षता और जवाबदेही बढ़ी है।

प्रदेश के पेंशनरों के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल और सुलभ बनाया गया है। पेंशनरों और कर्मचारियों के लिए डिजीलॉकर के माध्यम से महत्वपूर्ण दस्तावेज जैसे ई-पीपीओ, जीपीएफ स्टेटमेंट, अंतिम भुगतान आदेश और पेंशन प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल के माध्यम से शासकीय कर्मचारियों की सेवा जानकारी को अद्यतन करने की प्रक्रिया को डिजिटल बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ एआई के क्षेत्र में दुनिया से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। नवा रायपुर में देश का पहला एआई डेटा सेंटर पार्क स्थापित होने से प्रदेश की डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। इससे आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस आधारित सेवाओं के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की नई पहचान बनेगी। छत्तीसगढ़ सरकार हर वर्ग तक डिजिटल सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सीजीएमएससीएल द्वारा ऐप के माध्यम से राज्य की दवा आपूर्ति श्रृंखला को रीयल-टाइम में ट्रैक किया जा रहा है। विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों में समय पर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर यह ऐप स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बना रहा है।

खनिज विभाग द्वारा ऑनलाइन ट्रांजिट पास की सुविधा ने खनिजों के परिवहन को और अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाया है। सीएमओ पोर्टल की शुरूआत ने नागरिकों और सरकार के बीच संवाद को और मजबूत किया है। छत्तीसगढ़ सरकार की ये डिजिटल सेवाएं प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाने के साथ ही नागरिकों के जीवन को भी आसान बना रही हैं। इससे गांवों से लेकर शहरों तक हर वर्ग को डिजिटल क्रांति का लाभ मिल रहा है।

लेखक संयुक्त संचालक हैं

विष्णु के सुशासन से बस्तर संभाग में बदल रही है स्वास्थ्य सुविधाओं की तस्वीर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन और स्वास्थ्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से न केवल सामान्य क्षेत्रों में, बल्कि नक्सल प्रभावित जिलों में भी स्वास्थ्य सुविधाएं लोगों की पहुंच में आ रही हैं। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहा है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन अभियान और मलेरिया मुक्त अभियान जैसे कार्यक्रमों ने इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को नया आयाम दिया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार हमारी सरकार की जन-केंद्रित सोच और समर्पित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बस्तर जैसे क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों, मितानिनों तथा स्वास्थ्य कार्यकताओं की मेहनत से बेहतर परिणाम देखने को मिल रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य पूरे छत्तीसगढ़ में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है और इस दिशा में ठोस प्रयास लगातार जारी हैं। बस्तर में घर-घर जाकर जांच, त्वरित उपचार और जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से मलेरिया के प्रसार को नियंत्रित किया गया है। राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य संस्थानों ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक के तहत उल्लेखनीय उपलब्धि

1 जनवरी 2024 से 16 जून 2025 तक बस्तर संभाग में कुल 130 स्वास्थ्य संस्थाओं को क्वालिटी सर्टिफिकेशन प्राप्त हुआ है। इनमें 1 जिला अस्पताल, 16 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 113 उप स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। इसके अलावा, 65 अन्य संस्थाओं का सर्टिफिकेशन कार्य प्रक्रियाधीन है। विशेष रूप से नक्सल प्रभावित जिलों–कांकेर (8), बीजापुर (2), सुकमा (3) और दंतेवाड़ा (1)–में 14 संस्थानों को गुणवत्ता प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है, जो क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार का प्रमाण है।

नियद नेल्लानार योजना के अंतर्गत बस्तर संभाग में 62,466 राशन कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि एक वर्ष में ही 36,231 आयुष्मान कार्ड पंजीकृत किए जा चुके हैं। इसके अंतर्गत अब तक 52.6 प्रतिशत आयुष्मान कार्ड का कवरेज इन पांच जिलों में हो चुका है, जिसमें 6,816 लोगों को लाभ मिला है और इन पर 8 करोड़ 22 लाख रुपये की राशि क्लेम की गई है।

चिकित्सक स्टाफ की नियुक्ति से मजबूत हुई व्यवस्था

पिछले डेढ़ वर्षों में बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ करने के लिए 33 मेडिकल स्पेशलिस्ट, 117 मेडिकल ऑफिसर और 1 डेंटल सर्जन की नियुक्ति की गई है। इसके साथ ही राज्य स्तर से 75 तथा जिला स्तर से 307 स्टाफ एवं प्रबंधकीय पदों पर भर्ती की गई है, जबकि 291 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है।

यह कदम क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। 0 मनोज कुमार सिंह

अम्बिकावाणी-वर्गपहेली 1364

संकेतः बाएं से दाएं

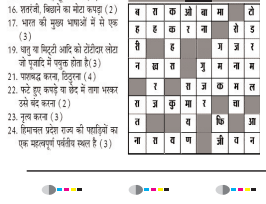

1. 2002 को इस देश के गोंजालों लोजाडा नए राष्ट्रपति चुने गए (4)
4. यह पश्चिमी प्रशांत में आर्किपेलागों है जो 26 द्वीपों और 300 से अधिक आइसलेट्स से बना है जिसकी राजधानी मेलेकि योक है (3)
7. काज, कार्य, कर्म (2)
8. समकोटिय, समतल, समकक्ष (3)
9. एक प्रकार का चंचल पक्षी जो चितकबरा और काला दो प्रकार का होता है (3)
11. बोझा या सामान उठाकर अपनी आजीविका चलाने वाला (2)
12. कोणयुक्त, नागा या अनुपस्थिति (2)
13. कला आदि सिखलाने वाला (2)
14. मिथ्या संवाद, झूठी खबर (2)
16. शतरंजी, बिछाने का मोटा कपड़ा (2)
17. भारत की मुख्य भाषाओं में से एक (3)
19. धातु या मिट्टी आदि को टोंटीदार लोटा जो पूजादि में पयुक्त होता है(3)
21. पाशबद्ध करना, ठिठुरना (4)
22. फटे हुए कपड़े या छेद में तागा भरकर उसे बंद करना (2)
23. नृत्य करना (3)
24. हिमाचल प्रदेश राज्य की पहाड़ियों का एक महत्वपूर्ण पर्वतीय स्थल है (3)

ऊपर से नीचे

1. मौन करना, चुप करना (8)
2. दुर्गण, अपभ्रंश, कसर, बिगाड़ (3)
3. एक पहर, तीन घंटे का समय (2)
4. पार्श्वास्थि, गोलाकार अस्थियों का पिंजरा (3)
5. तिब्बत में बौद्धों का धर्माचार्य, वज्राचार्य (2)
6. वूल, रोम, मेष, लोम (2)
10. कथन, भाषण (4)
11. धृतराष्ट्र या दुर्योधन को यह भी कहा जाता था (4)
13. लापता, पलायित, विलब्ध (2)
15. परिधान, वेश, जामा, ड्रेस (4)
18. सही आकार होना, आकार अनुकूल होना (4)
20. न्यौछावर करना, उत्सर्ग करना (3)

वर्ग पहेली 1363 का हल

ब	रा	क	ओ	बा	मा		टो
ह	ह	क	र	ना		रो	ड
री		ह			ग	ज़	र
न	ख	रा		गु	म	ना	म
	र		रा	ज	क	म	ल
रा	ज	कु	मा	र		चा	
त			य		फि		आ
ना	रा	य	ण		जी	व	न

लॉग-इन जानकारियां लीक होना खतरा

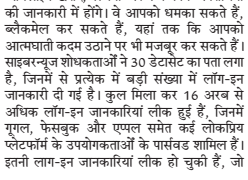

वह कंपनी ही क्या जिसके डेटाबेस तक साइबर अपराधियों की खुली पहुंच हो जाए। गूगल, फेसबुक और एप्पल सहित तमाम कंपनियों ने अपनी लापरवाही से आपकी सारी निजी जानकारी गलत हाथों में पड़ जाने का खतरा पैदा कर दिया है। अपराधी इसका कैसा इस्तेमाल करेंगे और उसका आपके जीवन पर कैसा असर होगा यह सोच कर ही रूह कांप जाती है। कल तक जो आशंका मात्र थी वह अब भयावह सच में बदलने जा रही है। साइबर सुरक्षा संस्थान साइबर न्यूज का कहना है कि अरबों की संख्या में 'लॉग-इन क्रेडेंशियलइ लीक होने के बाद ऑनलाइन डेटासेट में संकलित हो गए हैं, जिससे अपराधियों को उपयोगकताओं के खातों तक पहुंच मिल गई है। इससे न बैंक खाते सुरक्षित रहेंगे और न आपकी अन्य निजी जानकारियां जैसे चिकित्सकीय ब्योरे इत्यादि। हर वह खाता खतरे में है जिसे आप कंप्यूटर या मोबाइल पर किसी काम के लिए बनाते हैं। आपके ईमेल के जरिए किए गए संवाद व पत्र व्यवहार अपराधियों की जद में होंगे। आपकी ऑनलाइन खरीद, रुचियां औरअन्य कार्य अपराधियों की जानकारी में होंगे। वे आपको धमका सकते हैं, ब्लैकमेल कर सकते हैं, यहां तक कि आपको आत्मघाती कदम उठाने पर भी मजबूर कर सकते हैं। साइबरन्यूज शोधकताओं ने 30 डेटासेट का पता लगा है, जिनमें से प्रत्येक में बड़ी संख्या में लॉग-इन जानकारी दी गई है। कुल मिला कर 16 अरब से अधिक लॉग-इन जानकारियां लीक हुई हैं, जिनमें गूगल, फेसबुक और एप्पल समेत कई लोकप्रिय प्लेटफॉर्म के उपयोगकताओं के पार्सवड शामिल हैं। इतनी लाग-इन जानकारियां लीक हो चुकी हैं, जो

राशिफल

ग्रह स्थिति- सूर्य-वृषभ, चंद्र-मीन, मंगल-वृषभ, बुध-मेष, गुरु-कन्या, शुक्र-मीन

चौघड़िया

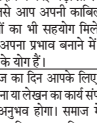

09:03 से 10:43 तक-चंचल
10:43 से 12:23 तक- लाभ
12:23 से 14.04 तक- अमृत
20:24 से 21.44 तक- लाभ

मेष राशिः आपके लिए आज का दिन अनुकूल रहेगा। आज आपको आपके साथियों और सगे-संबंधियों का पूरा सहयोग रहेगा। आप कोई बड़ा कार्य करने के लिए प्रेरित होंगे। कोई बड़ा उद्योग लगाने या अपने कार्य-व्यापार को बढ़ाने का सोचेंगे। जिसमें आपको सफलता मिलेगी।

वृष राशिः आज आपके लिए दिन फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक सुख के प्रबल योग हैं। सरकारी सेवा से जुड़े लोगों को पदोन्नति मिलने की संभावना है। आज आप जरूरतमंद लोगों की मदद करेंगे या उन्हें किसी प्रकार से आर्थिक लाभ पहुंचा सकते हैं। इस कार्य में आप निरंतर सक्रिय रहेंगे। इस दौरान कार्यक्षेत्र में अनावश्यक तर्क वितर्क से बचें।

मिथुन राशिः आज आपका दिन सफलता दिलाने वाला है। व्यवसाय कर रहे लोगों के लिए लाभ की स्थिति बनेगी। सामाजिक दायित्व बढ़ सकता है। किसी बड़ी कार्य योजना को विस्तार देने में आपको विशेष सफलता मिलेगी। आज आपको परिवार में किसी बड़े बुजुर्ग से अच्छी सलाह मिलेगी,

कर्क राशिः आज आपके लिए दिन बेहतर रहेगा। अपने स्वजनों का आपको साथ मिलेगा। किसी बड़े लक्ष्य को पाने के लिए आप निरंतर सक्रिय रहेंगे। आपको जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। आज आप किसी आधिकारिक यात्रा पर जा सकते हैं।

सिंह राशिः आज आपके लिए दिन फेवरेबल रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिलने की संभावना है। जिसे आप अपनी काबिलीयत पूरा करेंगे। आपको अपने सहयोगियों का भी सहयोग मिलेगा। आप अपनी सूझबूझ और चतुराई से अपना प्रभाव बनाने में कामयाब रहेंगे। व्यवसाय के क्षेत्र में उन्नति के योग हैं।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज कोई रचना या लेखन का कार्य संपन्न होने से आपको खुशी का अनुभव होगा। समाज में आपकी लोकप्रियता बढ़ने के संकेत हैं। व्यावसायिक स्तर पर दिन अच्छा रहेगा। आज आपके लिए कुछ वस्त्र या आभूषण आदि खरीदने के योग हैं।

तुला राशिः आप आज बेहतरीन दिन बिताएंगे। आपके सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी आप सुखद पारिवारिक जीवन बिताएंगे। अविवाहित जातकों के लिए विवाह के योग बन रहे हैं। आप अपनी कार्यकुशलता से कार्यस्थल पर सभी को प्रभावित करेंगे।

वृश्चिक राशिः आज आपके लिए दिन अच्छा रहेगा। आप किसी महत्वपूर्ण कार्य को नई दिशा में ले जाने में सफल रहेंगे। जिससे आज आपका उत्साह बढ़ेगा। आज ऑफिस में सावधानी पूर्वक कोई भी काम करें। आज आप किसी अनजान पर भी विश्वास करने से बचें। धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो जाएगी।

धनु राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आज आप धर्म-कर्म के कार्यों पर खर्च कर सकते हैं। आप यदि कोई कार्य योजना बना रहे हैं तो सोच समझकर ही कोई फैसला ले व्यावसायिक दृष्टि से दिन अच्छा है। आप अपनी कार्य योजनाओं को बढ़ाने के लिए सक्रिय रहेंगे।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए पॉजिटिव रहेगा। कार्य क्षेत्र में आज संघर्ष के बावजूद आप महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में सफल रहेंगे। अच्छे लोगों का सहयोग मिलने से आप अपनी आर्थिक स्थितियों को सुधारने में कामयाब रहेंगे। कहीं की यात्रा होने के योग हैं।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आप अच्छा महसूस करेंगे। आपके व्यापार में प्रगति की संभावना बन रही हैं। आपको किसी प्रोजेक्ट पर काम करने का अवसर मिलेगा। आप अपने उत्साह और परिश्रम के दम पर बड़ा लाभ उठाने में सफल रहेंगे। आमदनी बढ़ाने में आपको कामयाबी मिलेगी।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। पारिवारिक दृष्टि से आपका दिन अच्छा रहेगा। धर्म-कर्म में आपकी रुचि बढ़ेगी। आप किसी अनुष्ठान में भागीदारी निभाएंगे। सरकारी कार्यों में लाभ की संभावनाएं बढ़ेंगी। आप अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें।

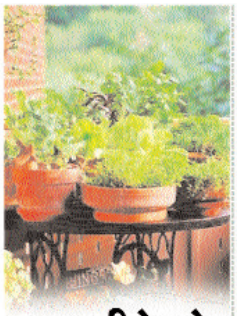

इन तरीके से करें बारिश में गार्डन और पौधों की देखभाल

बालकनी में बैठ पकौड़े और चाय की चुस्कियों के साथ बारिश के मौसम का आनंद लेने का अलग ही मजा होता है। कई बार तो लोग मानसून के दौरान बाहर घूमने जाने का भी प्लान बना लेते हैं। छाता से लेकर रेनकोट हर चीज की व्यवस्था हम बारिश शुरू होने से पहले कर लेते हैं। लेकिन इस दौरान सबसे ज्यादा नुकसान छोटे और हल्के पौधों को पहुंचता है। वैसे तो बारिश का पानी प्राकृतिक रूप से पौधों की ग्रोथ करने में कारगर होते हैं। अगर बारिश के मौसम में ठीक से ख्याल रखा जाए तो हम अपने प्लांट को पूरे मौसम हरा-भरा रख सकते हैं। इस आर्टिकल में आज हम आपको उन छोटी-छोटी बातों के बारे में बताने जा रहे हैं,जिसकी मदद से आप इनकी केयर कर सकती हैं।

इन तरीके से करें देखभाल

- बारिश शुरू होने से पहले पौधों के नीचे वाली पत्तियों को तोड़कर हटा दें।
- इस मौसम में पौधों के गमले के ऊपर तक 3 भाग मिट्टी और 1 भाग गोबर की खाद को मिक्स करके भरें। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर आप गमले का ऊपरी हिस्से खाली छोड़ देंगे तो इसमे पानी भर जाएगा और पौधे सड़ जाएंगे।
- 1 हफ्ते के अंतराल में पौधों पर होममेड पेस्टिसाइड का छिड़काव करें। ऐसा करने से पौधों में कीड़े नहीं लगेंगे।
- ग्रोथ होने पर समय-समय पर पौधों की कटिंग करें। इससे प्लांट्स में नए पत्ते तेजी से ग्रो करेंगे।
- बारिश के कारण मिट्टी गीली रहती है। ऐसे में इसमें पानी तब ही डालें जब मिट्टी सूखने लगे।
- प्लांट्स में पानी भरने पर उसे निकाल दें। इसके अलावा पौधों को एक जगह से दूसरी जगह शिफ्ट करते रहे।
- अगर आप प्लांट्स को उठाकर दूसरी जगह नही रख सकते हैं तो इसके ऊपर शीट या पन्नी लगाएं।
- कई बार हम खुली जगह पर पौधे लगाते हैं जो बड़े होने के बाद घने हो जाते हैं। इस स्थिति में अपने हर एक प्लांट्स को अच्छे से चेक करें। सभी पौधों को बराबर पानी मिल रहा है या नहीं। इसके साथ किसी पौधे में कीड़े तो नही लग गए हैं।
- पॉट का इस्तेमाल करते समय यह जरूर चेक करें कि उसमें होल है या नहीं। होल को मिट्टी से ढके नहीं। एक्स्ट्रा पानी गमले से आसानी से निकल जाए इसके लिए होल के ऊपर ईंट का छोटा टुकड़ा लगाकर मिट्टी भरें।
- अगर आपने पॉट को स्टैंड पर रखा है तो उसके नीचे लगी प्लेट को दूसरे दिन साफ करें।
- हल्के व बेल वाले पौधेको किसी लकड़ी या फिर स्टैंड के सहारे टिकाएं। इससे पौधे तेज हवा और पानी के झोंके से नहीं टूटेंगे।

मानसून का मौसम आया साथ ही लाया बारिश, ठंडी हवाएं और नमी

बारिश के समय घर की सतह को निरंतर साफ और सूखी रखने के लिए नियमित तौर पर सफाई करनी चाहिए। छत, छत की नाली, बरामदे और छत के झरने को साफ करें। साथ ही पानी या बिजली की समस्याओं के लिए तैयार रहें। बारिश से पहले अपनी बिजली सप्लाई और पानी की जांच करें और उन्हें ठीक करवाएं। ऐसी ही घर में कई चीजें हैं, जिन्हें मानसून सीजन में देखभाल करने के लिए ये उपाय अपना सकते हैं। मानसून का मौसम आ गया है और साथ ही लाया है ढेर सारी बारिश, ठंडी हवाएं और नमी। इस खूबसूरत मौसम का आनंद लेने के साथ-साथ, हमें अपने घरों का भी ध्यान रखना जरूरी है। बारिश और नमी से होने वाले नुकसान से बचने के लिए ये सावधानियां बरतनी चाहिए।

बिजली और बिजली के गैजेट्स की मरम्मत

बारिश के दौरान बिजली गिरने का खतरा ज्यादा होता है। इसलिए, सभी बिजली के गैजेट्स को पावर सॉकेट से निकालकर रखें। बाथरूम या किचन जैसे गीले इलाकों में बिजली के गैजेट्स का इस्तेमाल न करें। इस बात को भी सुनिश्चित कर लें कि आपके घर की बिजली व्यवस्था ठीक से ग्राउंड है। ज्यादा बारिश होने पर जरूरी न होने पर घर से बाहर न जाएं।

पानी की सही उपलब्धि

बारिश के पानी को इकट्ठा करके आप इसका इस्तेमाल बाद में सिंचाई या घरेलू कामों के लिए कर सकते हैं। बारिश से पहले नालियों और गटरों की सफाई कर लें ताकि पानी जमा न हो और मच्छरों का प्रजनन न हो। घर में टपकते नल को ठीक करवा लें ताकि पानी बर्बाद न हो। बारिश के पानी से बचने के लिए जरूरी सामान और दस्तावेजों को पहली मंजिल पर रखें। वहीं, उन जगहों को ध्यान से देखें जहां जल स्रोत या नाली हो सकती है। अगर कोई जल जमाव हो, तो उसे समय पर साफ करवाएं ताकि पानी घर के अंदर न पहुंचे।

इसके साथ-साथ अपने घर के लिए डिजास्टर मैनेजमेंट स्कीम बनाएं और उसे परिवार के सदस्यों के साथ शेयर करें। डिजास्टर के मामले में सुरक्षित रहने के लिए जरूरी सामान और संसाधनों की व्यवस्था करें। बारिश के अवधि में खिड़कियों और दरवाजों को सुखे रखने के लिए उन्हें ठीक से बंद करें। अगर कोई ड्रेनेज प्रॉब्लम हो, तो उसे जल्दी से सुधारवाएं।

छत और दीवारों की मरम्मत

बारिश से पहले अपनी छत की अच्छी तरह से जांच कर लें और अगर कहीं भी दरारें या रिसाव हो तो उसे ठीक करवा लें। इसके साथ ही दीवारों में नमी से बचने के लिए, वेंटिलेशन पर ध्यान दें। खिड़कियां और दरवाजे खुले रखें, ताकि हवा का आवागमन हो सके। वहीं, अगर दीवारों का रंग उखड़ रहा है या फफोले पड़ रहे हैं, तो मानसून शुरू होने से पहले इनमें नया रंग करवा लें। उन जगहों को ध्यान से देखें जहां जलस्रोत या नाली हो सकती है। अगर कोई जल जमाव हो, तो उसे समय पर साफ करवाएं ताकि जल भवन के अंदर न पहुंचे। कीमती सामानों को नमी और पानी से बचाने के लिए एयर टाइट कंटेनर में रखें।

किचन कैबिनेट की मरम्मत

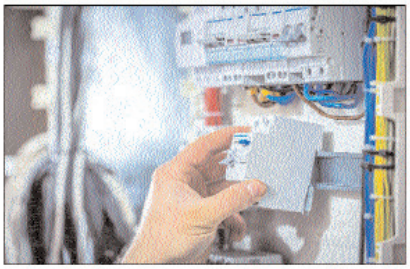

बारिश के समय रसोई कैबिनेट को नियमित तौर से साफ और सूखे कपड़े से पोंछे। नम और गीले कपड़ों से उन्हें साफ करने से रसोई में मौजूद सामानों को किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हो सकता है। इसलिए, अगर आपके कैबिनेट लकड़ी के हैं, तो उन्हें बारिश के मौसम में नमी से बचाने के लिए मरम्मत करें। लकड़ी को नमी और फ्लूरिंग से बचाने के लिए सीलेंट लागाएं।

मच्छरों को भगाने का फ्री का नुस्खा, बिना मेहनत के ही होगा खात्मा...

मच्छरों ने आपकी भी नींद खराब की हुई है? क्या मच्छरों की भिन-भिनाहट में सोना भी मुश्किल हो जाता है? आप एक फ्री के घोल की मदद से अपने घर से मच्छरों का खात्मा कर सकती हैं।

जिस तरह एक तरफ गर्मी तो दूसरी तरफ बारिश हो रही रही है, उसी तरह से मच्छरों का आतंक भी बढ़ता ही जा रहा है। इस मौसम में रात को मच्छर चैन से सोने तक नहीं देते। कई बार तो इनके काटने के खुजली और इंफेक्शन भी हो जाता है। वहीं, अगर मच्छरों का आतंक बढ़ जाए, तो कई तरह की बीमारियों का भी खतरा भी बढ़ सकता है। ऐसे में लोग मच्छरों को भगाने के लिए कई तरह के केमिकल्स का इस्तेमाल करते हैं। हार्ड केमिकल से बने प्रोडक्ट का घर में रोजाना छिड़काव करना सेहत के लिए भी खतरनाक हो सकता है। आप चाहें, तो 100% प्राकृतिक और घरेलू चीजों की मदद से ही मच्छरों को भगा सकते हैं। आइए जानें, घर से मच्छरों को फ्री में कैसे भगाएं?

क्या-क्या चाहिए

- नीम के पत्ते
- एक एक्सपायर दवा
- 2 कपूर की गोली

मच्छर मारने वाला घोल कैसे बनाएं?

मच्छरों का मारने वाला घोल बनाने के लिए सबसे पहले नीम के ताजे पत्तों को तोड़ लें। इसे पानी के साथ मिक्सर में डालकर अच्छे से पीस लें। अब इसका एक गाढ़ा घोल तैयार हो जाएगा। अब इसे एक छन्नी की मदद से छानकर नीम के पानी को अलग कर ले। नीम के इस पानी में ही अब कुछ एक्सपायर दवाईया डालकर इन्हें उबाल लें।

इस तरह तैयार होगा घोल

अब इस घोल के ठंडा होने पर इसमें दो कपूर की गोली को पीसकर डाल लें। सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करने के बाद इन्हें एक स्प्रे बॉटल में भर लें।

इस तरह से आपका लिक्विड मच्छर भगाने के लिए तैयार है। इस अपने घर के हर हिस्से में स्प्रे कर दें। इससे आंखों और नाक से दूर रखें। इसके इस्तेमाल से आपको मच्छरों से छुटकारा मिल सकता है।

कैसे काम करती है वायरल ट्रिक?

नीम के पत्ते एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-फंगल गुणों से भरपूर होते हैं। नीम के पत्तों में एजाडिरैक्टिन नाम का एक केमिकल होता है, जो मच्छरों को भगाने का काम करता है। वहीं, मच्छरों को कपूर की तेज भी बर्दाश्त नहीं होती। इसके साथ ही एक्सपायर दवाओं के केमिकल भी हवा में फैलते हैं, तो इससे मच्छरों को दिक्कत होती है। इस तरीके से घर से मच्छर दूर रहेंगे।

आउटडोर कुशन की क्लीनिंग के लिए इन स्टेप्स को करें फॉलो1

अमूमन लोग अपने घर के भीतर ही नहीं, बाहर गार्डन एरिया या फिर लॉबी में भी फर्नीचर रखना पसंद करते हैं, ताकि वे कुछ फुरसत के पल वहां पर बिता सके। जब आप आउटडोर में फर्नीचर रखते हैं, तो उसे अधिक ब्यूटीफुल व आरामदायक बनाने के लिए कुशन भी रखे जाते हैं। अधिकतर कुशन के ऊपर कवर लगे होते हैं, जिन्हें आसानी से रिमूव किया जा सकता है और आप इन कुशन कवर को आसानी से वॉशिंग मशीन में धो सकती है। लेकिन अगर आपके आउटडोर कुशन पर कवर नहीं है या फिर वह रिमूवेबल नहीं है, तो यकीनन कुशन को क्लीन करना एक टफ टास्क हो जाता है। यह देखने में आता है कि इस स्थिति में महिलाएं कुशन को धोना अक्सर अवॉयड करती हैं। हालांकि, आपको ऐसा कुछ भी करने की जरूरत नहीं है। बस आप कुछ आसान स्टेप्स फॉलो करें और आउटडोर कुशन को क्लीन करें।

वैक्यूम क्लीनर का करें इस्तेमाल

जब बात आउटडोर कुशन को क्लीन करने की हो, तो ऐसे में आप सबसे पहले वैक्यूम क्लीनर का इस्तेमाल करें। यह धूल, मिट्टी और सूखी गंदगी को हटाने में आपकी मदद करेगा। आप वैक्यूम क्लीनर के अलावा एक नरम-ब्रिसल वाले ब्रश का उपयोग भी कर सकते हैं और धूल-मिट्टी की सफाई कर सकते हैं।

करें स्क्रब

लूज डर्ट को क्लीन करने के बाद अब बारी आती है डीप क्लीनिंग की। इसके लिए आप एक बाल्टी पानी में एक चौथाई कप बोरेक्स के साथ 1 बड़ा चम्मच डिश डिटर्जेंट मिलाएं। अब एक ब्रश को इसमें डिप करें और कुशन के दाग वाले क्षेत्रों पर हल्का स्क्रब करें। आप इसे कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें।

सिरका आएगा काम

अगर आपके पास बोरेक्स नहीं है या फिर आप आउटडोर कुशन को नेचुरल तरीके से क्लीन करना चाहते हैं, तो ऐसे में सिरके का इस्तेमाल करना एक अच्छा विचार हो सकता है। इसके लिए आप 4 कप गर्म पानी में एक चौथाई कप डिस्टिल्ड व्हाइट विनेगर डालें और एक स्प्रे बोतल में डालें। सतह को वैक्यूम करने के बाद, कुशन को घोल से स्प्रे करें और 15 मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें। दाग वाले क्षेत्रों को साफ करने के लिए एक नरम ब्रश का प्रयोग करें। पानी से धो लें और हवा को सूखने दें।

यूं करें क्लीनिंग

कुशन को स्क्रब करने के बाद उसे हल्का सा प्रेशर देते हुए पानी की मदद से साफ करें। हालांकि, यह ध्यान रखें कि आप इस दौरान प्रेशर वॉशर का इस्तेमाल न करें क्योंकि इससे फैब्रिक खराब हो सकता है। अब, अपने हाथों की मदद से अतिरिक्त पानी को निचोड़ने का प्रयास करें। फिर इसे एक साफ तौलिये से पोंछ लें ताकि अधिक से अधिक नमी सोखी जा सके। अब कुशन को लंबाई में ऊपर उठाकर रखें और उन्हें पूरी तरह से हवा में सूखने दें।

यूं करें दाग की सफाई

आउटडोर में रखे फर्नीचर व कुशन में तरह-तरह के दाग लगने का खतरा काफी अधिक रहता है। ऐसे में आप इन दागों की क्लीनिंग के लिए यह उपाय अपना सकती हैं-

- अगर कुशन पर घास के दाग लग गए हैं, तो आप बोरेक्स के घोल का इस्तेमाल करें।
- अगर यह घास के दागों पर काम नहीं करता है, तो एक लिक्विड डिटर्जेंट की मदद लें, जो दाग हटाने में आपकी मदद करे।
- वहीं, कुशन पर मोल्ड या फफूंदी हटाने के लिए ब्रश का उपयोग करना सबसे अच्छा माना जाता है। आप चाहें तो व्हाइट डिस्टिल्ड विनेगर को स्प्रे करके भी उसे क्लीन कर सकती हैं।
- आउटडोर कुशन पर तेल का दाग लग जाने पर कॉर्नस्टार्च या बेकिंग सोडा छिड़क कर साफ किया जा सकता है। तेल के सोखने के लिए 15 मिनट तक प्रतीक्षा करें। उसके बाद कुशन को क्लीन करें।

कोरिया

रायपुर, मंगलवार 01 जुलाई, 2025 | 06

अम्बिकावाणी

अब हर शुक्रवार को पेंड्री में होगी न्यायिक सुनवाई, केल्हारी क्षेत्र के ग्रामीणों को बड़ी राहत

मनेन्द्रगढ़ (अम्बिकावाणी समाचार)। एसडीएम कार्यालय केल्हारी द्वारा एक महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया है, जिसके अनुसार तहसील केल्हारी अंतर्गत उप-तहसील पेंड्री के पटवारी हल्का क्रमांक 9, 11, 12 एवं 13 के समस्त ग्रामों से संबंधित राजस्व प्रकरणों की सुनवाई अब सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार को उप-तहसील पेंड्री स्थित कैंप कोर्ट में की जाएगी। न्यायालयीन कार्य के संपादन हेतु तहसीलदार केल्हारी को निर्देशित किया गया है कि वे नियमित रूप से हर शुक्रवार पेंड्री पहुंचकर मामलों की सुनवाई सुनिश्चित करें। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू माना जाएगा। प्रशासन के इस निर्णय से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी, उन्हें अब न्याय के लिए दूरस्थ तहसील कार्यालय नहीं जाना पड़ेगा। यह व्यवस्था ग्रामीणों की समय और संसाधन की बचत के साथ-साथ न्यायिक प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाने में सहायक सिद्ध होगी। शासन द्वारा उठाया गया यह कदम स्थानीय स्तर पर पारदर्शिता, त्वरित न्याय और जन सुविधा की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है, जिसकी क्षेत्रीय नागरिकों और जनप्रतिनिधियों द्वारा सराहना की जा रही है।

न्यूज गैलरी

राष्ट्रीय खाद्य पोषण सुरक्षा योजना के तहत बीज वितरण का सफल कार्यक्रम

कोरिया बैकुंठपुर। जिले के जनपद पंचायत बैकुंठपुर क्षेत्र के ग्राम चिल्का,पिपरिया, रोबो, धरमपुर, के किसानों को राष्ट्रीय खाद्य पोषण सुरक्षा अनाज कोदो, रागी एवं दलहन क्षेत्र विस्तार हेतु अरहर बीज निशुल्क का वितरण किया गया। कोरिया जिले में कृषि विभाग शासन की योजनाओं के तहत खाद बीज वितरण में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है बावजूद इसके आगर जिले के किसान जनहितकारी योजनाओं का लाभ नहीं उठा पाए तो निश्चित तौर पर यह कहा जा सकता है कि किसान हाइब्रिड जैसे महंगे बीज चक्कर में फंसकर के अपना नुकसान कर रही हैं। उपरोक्त कार्यक्रम में जनपद सदस्य, सरपंच जयकरण पंच सहित ग्रामीण किसान उपस्थित रहे।

शाला प्रवेशोत्सव के अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान, राज्य में कोरिया जिला बना शिक्षा का अग्रदूत

कोरिया बैकुंठपुर - शिक्षा सत्र २०२४-२५ में राज्य स्तर पर उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले कोरिया जिले के मेधावी विद्यार्थियों को आज शाला प्रवेशोत्सव के अवसर पर सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह बैकुंठपुर के जिला पंचायत ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक, शिक्षक व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस गरिमामयी अवसर पर छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दसवीं व बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों को उनकी सफलता के लिए सम्मानित किया गया।

कोरिया जिले की उपलब्धियाँ - दसवीं कक्षा में वर्ष २०२३-२४ में नवां स्थान जबकि २०२४-२५ में राज्य में चौथा स्थान प्राप्त किया गया। बारहवीं कक्षा में वर्ष २०२३-२४ में सातवां स्थान में था जबकि २०२४-२५ में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। जिले का परीक्षा परिणाम में दसवीं में ९२.३३ प्रतिशत और बारहवीं में ९२.४२ प्रतिशत रहा जबकि राज्य में दसवीं में ७६ प्रतिशत, बारहवीं में ८१ प्रतिशत परीक्षा परिणाम था। इस तरह कोरिया जिला राज्य औसत से काफी आगे रहा।

कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी ने कही ये बातें - कलेक्टर श्रीमती त्रिपाठी ने कहा, 'यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों की सतत निगरानी और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है।' उन्होंने बताया कि च्मिशन १००ज के तहत त्रैमासिक परीक्षा से पहले कमजोर बच्चों के लिए विशेष कक्षाएं चलाई गईं और ऑनलाइन शिक्षा की भी समुचित व्यवस्था की गई थी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी जानकारी दी कि राज्य शासन द्वारा निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया जा रहा है, जिन्हें स्कैन कोड के माध्यम से ऑनलाइन भी डाउनलोड किया जा सकता है।कलेक्टर ने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में कोरिया जिला और भी बेहतर प्रदर्शन करेगा। शिक्षकों और छात्रों के सामूहिक प्रयासों से जिले को राज्य में शीर्ष स्थान पर लाने का संकल्प लिया गया है। इस कार्यक्रम में कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, डॉ. आशुतोष चतुवेर्दी, जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित पैकरा, उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना राजवाड़े, जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सौभाग्यवती कुसरो, सुरेश सिंह, श्रीमती संगीता सोनवानी, जनपद अध्यक्ष उदय सिंह, विधायक प्रतिनिधि राम प्रताप मरावी, वरिष्ठ नागरिक शैलेष शिवहरे, कृष्णा बिहारी जायसवाल कार्यक्रम में सोनहत व बैकुंठपुर से आए छात्र, शिक्षक व पालक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

प्राकृतिक साल जंगल को बचाने की जरूरत: सलका, सलवा क्षेत्र में संरक्षण की ग्रामीणों ने मांग की

कृष्ण विभूति तिवारी

कोरिया बैकुंठपुर। कोरिया जिला मुख्यालय बैकुंठपुर के समीप स्थित ग्राम पंचायत सलका, सलवा के समीप शासन प्रशासन के द्वारा जनहितकारी योजनाओं का क्रियान्वयन करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। बावजूद इसके योजनाएं धरी की धरी रह जाती हैं। जानकारी के अनुसार कोरिया जिले के पूर्व कलेक्टर अमीर अली के द्वारा लगभग ५० एकड़ राजस्व की जमीन में वृक्षारोपण करवाया गया। इस वृक्षारोपण से आम आदमी को कोई फायदा नजर नहीं आ रहा है ऊपर से भालू का डेरा बनकर रह गया है। इसी प्रकार पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के द्वारा जिला स्तरीय स्टेडियम का निर्माण लगभग ५ करोड़ की लागत से कराई गई लेकिन स्टेडियम खंडहर में तब्दील होता नजर आ रहा है। इस स्टेडियम से कोई फायदा तो नजर नहीं आ रहा है। इस स्टेडियम में ग्रामीणों के द्वारा पशु बांधने का काम कर रहे हैं। इसी प्रकार ग्राम पंचायत सलका सलवा के बीचो बीच लगभग २०० - २५० हेक्टेयर राजस्व की जमीन जिसमें विशुद्ध रूप से साल के पेड़ लगे हुए हैं। लेकिन ग्रामीणों के द्वारा कटाई कर देने से ठूठ में तब्दील हो जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार यह भूमि राजस्व की है इसलिए वन विभाग इसमें कोई ध्यान नहीं दे रहा है। यह प्राकृतिक साल की जंगल भूमि आज संकट के दौर से गुजर रही है। यह पूरा क्षेत्र राजस्व विभाग के अधीन है। और वर्षों से यहां प्राकृतिक रूप से साल वृक्षों का विस्तार हुआ है। यह वन क्षेत्र न केवल पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, बल्कि ग्रामीणों के लिए जलवायु संतुलन और पारिस्थितिकी तंत्र का भी आधार है।

स्थानीय लोगों एवं पर्यावरण प्रेमियों की चिंता का मुख्य कारण यह है कि इस जंगल की सुरक्षा और देखरेख का कोई स्थायी प्रबंध नहीं है। राजस्व भूमि होने के कारण वन विभाग की सीधी निगरानी से यह क्षेत्र बाहर है, जिसके कारण यहां पर अतिक्रमण और अवैध कटाई की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। ग्रामीणों द्वारा जलाऊ लकड़ी एवं निजी उपयोग हेतु पेड़ों की कटाई खुलेआम की जा रही है, जिससे धीरे-धीरे जंगल की हरियाली समाप्त हो रही है।

जानकारों का कहना है कि साल वृक्ष का प्राकृतिक रूप से उगना इस क्षेत्र की जैव विविधता के लिए अनमोल धरोहर है। साल के जंगल वर्षा जल संचयन में सहायक होते हैं और मिट्टी के कटाव को भी रोकते हैं। इसके अलावा, यह वन्य जीवों का भी प्राकृतिक आवास है। यदि इस क्षेत्र को संरक्षित नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में यह पूरी हरित संपदा समाप्त हो सकती है।

स्थानीय पर्यावरण कार्यकर्ता अनिरुद्ध सिंह चौहान, शिक्षक रंजीत सिंह, राम प्रताप सिंह चिकनजूरी, कुंदन विश्वकर्मा, सुशील सिंह, विवेक सिंह, एवं जागरूक ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि वन विभाग और राजस्व विभाग मिलकर संयुक्त प्रयास करें। सबसे पहले इस क्षेत्र की सीमांकन कर इसे संरक्षित वन क्षेत्र घोषित किया जाए ताकि इसकी सुरक्षा का जिम्मा वन विभाग को सौंपा जा सके। इसके साथ ही, क्षेत्र में वन रक्षक तैनात कर अवैध कटाई पर रोक लगाई जा सके।

मुख्यमंत्री से केन्द्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री दुबे ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में केन्द्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चन्द्र दुबे ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान राज्य में कोयला खनन एवं उत्पादन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। बैठक में राज्य में कोयला उत्पादन, खनन कार्यों की प्रगति, श्रमिकों से जुड़ी सुविधाओं एवं विकास कार्यों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से राज्य में कोयला एवं ऊर्जा क्षेत्र में विकास की संभावनाओं को साकार करने में सहायता मिलेगी। श्री साय ने इस दौरान सीएसआर मद की राशि का उपयोग अधिक से अधिक जनकल्याणकारी कार्यों में करने के संबंध में विशेष रूप से चर्चा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव श्री पी. दयानंद, एसईसीएल के मुख्य महाप्रबंधक श्री हरीश दुहन सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

न्यायधानी बिलासपुर में केंद्रीय मंत्री तोखन साहू के हाथों ट्रैफिक मैन महेश मिश्रा को मिला पुलिस गौरव देशभक्त सम्मान

दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय गायन, नृत्य, टैलेंट, फैशन शो एवं सम्मान समारोह में निभाई मंच संचालक की भूमिका

कोरिया बैकुंठपुर। बिलासपुर स्थित डॉ. जेठू साहू के रिसोर्ट में टीजीबी मीडिया द्वारा २८ एवं २९ जून को दो दिवसीय प्रदेश स्तरीय गायन, नृत्य, टैलेंट, फैशन शो प्रतियोगिता एवं विविध क्षेत्रों के ख्याति प्राप्त लोगों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें कोरिया जिले के यातायात में पदस्थ लांस नायक महेश मिश्रा को पुलिस गौरव देशभक्त सम्मान से सम्मानित किया गया।

गौरतलब है कि नायक महेश मिश्रा निःस्वार्थ भाव से निरंतर यातायात जन जागरूकता कार्यक्रम संचालित करने हेतु न केवल जिले में बल्कि पूरे प्रदेश एवं देश स्तर पर जाने जाते हैं और छत्तीसगढ़ राज्य के अलावा अन्य राज्यों में भी यातायात जागरूकता अभियान संचालित करते रहे हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री भारत सरकार तोखन साहू के हाथों सम्मान प्राप्त करने के उपरांत श्री मिश्रा ने आग्रह किया कि लोग अपनी जीवन रक्षा के लिए नियमों का पालन करें यातायात नियमों का पालन करने पर गर्व की अनुभूति करें ना कि नियम तोड़कर अपनी बहादुरी साबित करने का प्रयास, वाहन चालन एवं पीछे सवार होने की स्थिति में केवल हेलमेट और सीट बेल्ट का धारण कर चलने से सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों में ४०त्न की कमी आती है। वाहन दुर्घटना अपने आप नहीं

हुआ करती आपकी जरा सी लापरवाही किसी की जान ले सकती है, नियमों का पालन करें खुद सुरक्षित रहें औरों को भी सुरक्षित रखने में सहयोग प्रदान करें।

उक्त दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नगर निगम बिलासपुर की महापौर श्रीमती पूजा विधानी, राष्ट्रीय समन्वयक अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी प्रदेश प्रभारी उत्तर प्रदेश व गुजरात त्रिलोक चंद श्रीवास, समाजसेवी प्रवीण झा, डॉ प्रदीप शुक्ला उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशलता पूर्वक मंच संचालन कोरिया जिले के नायक महेश मिश्रा ने किया। सफल आयोजन एवं सम्मान हेतु श्री मिश्रा ने टीजीबी मीडिया की स्टेट डायरेक्टर पुष्पा साहू एवं मीडिया प्रभारी अमित कुमार का विशेष आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ में ओबीसी महासभा कोरिया ने सौंपा ज्ञापन : सामाजिक न्याय और समानुपातिक हिस्सेदारी की मांग

कोरिया बैकुंठपुर - छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) महासभा ने अपने समुदाय के हितों के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा है। यह ज्ञापन कलेक्टर कोरिया के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, महामहिम राज्यपाल, और मुख्यमंत्री के नाम प्रेषित किया गया है। ओबीसी महासभा ने विगत कई वर्षों से हर माह ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों को उठाया है, किंतु राष्ट्रीय जनगणना, २ दिसंबर २०२२ को पारित आरक्षण संशोधन विधेयक पर राज्यपाल के हस्ताक्षर जैसे ज्वलंत मुद्दे अभी तक अनसुलझे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम साहू के मार्गदर्शन और प्रदेश सचिव कृष्णा प्रजापति के उपस्थिति में सौंपे गए इस ज्ञापन में ओबीसी समुदाय के सामाजिक, आर्थिक, और शैक्षणिक उत्थान के लिए २३ बिंदुओं पर जोर दिया गया है। इस अवसर पर ओबीसी किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष राम नारायण साहू, रवि शंकर राजवाड़े, कुलदीप प्रजापति ,कृष्ण राजवाड़े, हीरालाल साहू, शिवप्रसाद राजवाड़े, जवाहिर राजवाड़े, डी एल भास्कर, आनंद राजवाड़े, रामदास साहू, राजू गोयनकर, स्वतंत्र महोबिया सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

ज्ञापन में उठाए गए प्रमुख बिंदुः

१ः-राष्ट्रीय जनगणना में ओबीसी की गणनाः ओबीसी महासभा ने मांग की है कि लंबित राष्ट्रीय जनगणना शीघ्र आयोजित की जाए, जिसमें ओबीसी समुदाय की जनसंख्या का स्पष्ट आंकड़ा शामिल हो। छत्तीसगढ़ में ओबीसी समुदाय की जनसंख्या ५२त्न होने का अनुमान है, और आधिकारिक आंकड़ों के अभाव में उनकी समानुपातिक हिस्सेदारी प्रभावित हो रही है।

२ः-समानुपातिक आरक्षणः ओबीसी समुदाय को उनकी जनसंख्या के अनुपात में कार्यपालिका, न्यायपालिका, विधायिका, मीडिया, और सार्वजनिक व निजी क्षेत्रों में आरक्षण प्रदान करने की मांग की गई है। यह सामाजिक न्याय और समतामूलक समाज की स्थापना के लिए आवश्यक कदम है।

३ः-क्रीमीलेयर और ५०त्न कैपिंग की समाप्तिः क्रीमीलेयर की अवधारणा को परिवार और समाज के लिए विघटनकारी बताते हुए इसे समाप्त करने की मांग की गई है। साथ ही, आरक्षण पर ५०त्न की सीमा को असंवैधानिक करार देते हुए इसे हटाने का अनुरोध किया गया है।

४ः-२७त्न ओबीसी आरक्षण और बैकलॉग नियुक्तियाँः छत्तीसगढ़ में २७त्न ओबीसी आरक्षण को तत्काल लागू करने और पिछले ३२ वर्षों के बैकलॉग नियुक्तियों को भरने की मांग की गई है। इसके अतिरिक्त, २ दिसंबर २०२२ को पारित आरक्षण संशोधन विधेयक पर महामहिम राज्यपाल के हस्ताक्षर के लिए शासन से त्वरित कार्रवाई का अनुरोध किया गया है।

५ः-मंडल कमीशन की अनुशंसाएँः मंडल कमीशन की सभी सिफारिशों को पूर्ण रूप से लागू करने की मांग की गई है, जो ओबीसी समुदाय के लिए ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है।

६ः-संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल करनाः २७त्न ओबीसी आरक्षण को देश के सभी राज्यों में समान रूप से लागू करने और भारत सरकार द्वारा अध्यादेश पारित कर इसे संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग की गई है।

७ः-छात्रावासों का प्रावधानः छत्तीसगढ़ के सभी तहसील मुख्यालयों में ओबीसी के लिए सर्वसुविधायुक्त पोस्ट-मैट्रिक और प्री-मैट्रिक छात्रावास स्थापित करने की मांग की गई है।

८ः-स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करनाः कृषि प्रधान छत्तीसगढ़ में स्वामीनाथन आयोग की सभी सिफारिशों को लागू करने की मांग की गई है, ताकि किसानों को उचित समर्थन मिल सके।

९ः-बैकलॉग नियुक्तियाँः केंद्र और राज्य की शासकीय संस्थाओं में रिक्त

पदों पर बैकलॉग नियुक्तियाँ प्रदान करने की मांग की गई है, जिससे ओबीसी समुदाय के बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें।

१०ः-शिक्षा युक्तियुक्तीकरण का निरस्तीकरणः हाल ही में शिक्षा विभाग द्वारा किए गए स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तीकरण को शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाला बताते हुए इसे निरस्त करने की मांग की गई है।

११ः-छात्रवृत्ति में समानताः ओबीसी समुदाय के लिए प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति में विसंगतियों को दूर कर अनुसूचित जाति और जनजाति की भांति समान शर्तों और दरों पर छात्रवृत्ति प्रदान करने की मांग की गई है।

१२ः-कृषि संकाय की अनिवार्यताः छत्तीसगढ़ के सभी शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूलों में कृषि संकाय को अनिवार्य रूप से संचालित करने की मांग की गई है।

१३ः-ओबीसी प्रमाण पत्र प्रक्रिया का सरलीकरणः सामाजिक प्रास्थितिक (ओबीसी) प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को सरल करने की मांग की गई है।

१४ः-बजट में समानुपातिक प्रावधानः ओबीसी के समग्र विकास के लिए राज्य के बजट में आरक्षण के अनुपात में प्रावधान करने की मांग की गई है।

१५ः-पृथक ओबीसी विभाग की स्थापनाः कर्नाटक, केरल, और अन्य राज्यों की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में ओबीसी के लिए पृथक विभाग स्थापित करने की मांग की गई है, क्योंकि वर्तमान में आदिम जाति और अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में ओबीसी की अनदेखी हो रही है।

१६ः-एट्रोसिटी एक्ट का विस्तारः अनुसूचित जाति और जनजाति की तरह ओबीसी के लिए भी एट्रोसिटी एक्ट लागू करने की मांग की गई है।

१७ः-किसानों के लिए खाद-बीज की उपलब्धताः किसानों को समय पर खाद और बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने और वर्ष २०२५ की धान खरीदी १ नवंबर से शुरू करने की मांग की गई है।

१८ः-साक्षात्कार प्रक्रिया समाप्त करनाः आंध्र प्रदेश की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में राज्य प्रशासनिक सेवा के पदों पर६ साक्षात्कार प्रक्रिया को बंद करने की मांग की गई है।

१९ः-वनभूमि पट्टाः २००५ से शासकीय भूमि पर कब्जाधारी और निवासरत ओबीसी समुदाय के लोगों को वनभूमि पट्टा प्रदान करने की मांग की गई है।

*२०*अनियमित कर्मचारियों का नियमितीकरणः* संविदा, प्लेसमेंट, मानदेय, दैनिक वेतन भोगी, और ठेका कर्मचारियों को नियमित करने की मांग की गई है।

२१ः-बर्खास्त बी.एड शिक्षकों का समायोजनः बर्खास्त बी.एड सहायक शिक्षकों को सरकार के आश्वासन के अनुसार तत्काल विभाग में समायोजित करने की मांग की गई है।

२२ः-अंशकालीन स्वीपर का पूर्णकालिक करनाः स्कूलों में कार्यरत अंशकालीन स्वीपरों को पूर्णकालिक करने की मांग की गई है।

***२३ः-मध्यान भोजन रसोइयों के मानदेय में वृद्धि** : केंद्र सरकार की ३मोदी की गारंटी३ के तहत मध्यान भोजन रसोइयों के मानदेय में ५०त्न वृद्धि की मांग की गई है।

***सामाजिक न्याय की दिशा में कदम** - ओबीसी महासभा ने अपने ज्ञापन में कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था की ३रीढ़ की हड्डी३ माने जाने वाले ओबीसी समुदाय को सामाजिक न्याय प्रदान करना समतामूलक समाज की स्थापना के लिए आवश्यक है। यह ज्ञापन न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश में ओबीसी समुदाय के लिए नीतिगत बदलाव की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

*** नेतृत्व और एकजुटता** - ज्ञापन सौंपने के इस कार्यक्रम में ओबीसी महासभा के सभी प्रमुख कार्यकताओं ने एकजुटता का प्रदर्शन किया। राधेश्याम साहू ने कहा, ३हमारा संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक ओबीसी समुदाय को उनका हक नहीं मिल जाता।३ परशुराम सोनी ने जोर देकर कहा कि शासन को इन मांगों पर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि ओबीसी समुदाय का समग्र विकास सुनिश्चित हो सके।

***भविष्य की दिशा** - ओबीसी महासभा ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो वे अपने आंदोलन को और तेज करेंगे। यह ज्ञापन न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे देश में ओबीसी समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सामाजिक और आर्थिक न्याय की दिशा में उनकी लड़ाई को और मजबूत करता है।

Sports Live

ओपनएआई टैलेंट पलायन रोकने के लिए कर्मचारियों के वेतन में करेगी बदलाव

नईदिल्ली,30 जून। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी ओपनएआई ने हाल ही में अपने कई वरिष्ठ वैज्ञानिकों को मेटा जैसे प्रतिस्पर्धी प्लेटफॉर्म्स में खो दिया है। इस टैलेंट पलायन को रोकने के लिए ओपनएआई अब अपने कर्मचारियों के वेतन और बोनस की नीति में बदलाव की तैयारी कर रही है। कंपनी का फोकस अब शीर्ष प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें बेहतर ऑफर देकर बनाए रखने पर है। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी लगातार कर्मचारियों से संपर्क में हैं और आंतरिक अभियान चला रहे हैं।

ओपनएआई से जुड़े कई शोधकर्ता जैसे लुकास बेयर और ट्रैपिट बंसल अब मेटा के साथ जुड़ गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मेटा ने सीधे ओपनएआई और गूगल के वैज्ञानिकों को टारगेट किया है। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग खुद इस भर्ती अभियान में सक्रिय हैं।

आयुष शेट्टी ने रचा इतिहास, जीता पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब

0-तन्वी शर्मा को फाइनल में मिली हार

नई दिल्ली,30 जून। आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन के फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को 21-18, 21-13 से हराकर अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता है. हालांकि आयुष से भारतीय बैडमिंटन प्रशंसकों को अच्छी खबर मिली, लेकिन उन्हें निराशा भी हाथ लगी क्योंकि महिलाओं के फाइनल में तन्वी शर्मा यूएस की शटलर बेइवेन झांग से 21-11, 16-21, 21-10 से हार गईं.

आयुष इस सीजन में बीडब्ल्यूएफ खिताब जीतने वाले पहले भारतीय शटलर बन गए. जिससे भारतीय बैडमिंटन में एक बदलाव का संकेत मिलता है. वर्तमान में विश्व में 34वें स्थान पर काबिज आयुष ने भारत के पुरुष एकल खिताब के इंतजार को खत्म कर दिया, 2023 में कनाडा ओपन में लक्ष्य सेन की जीत के बाद यह पहला खिताब है.

47 मिनट में विश्व नंबर 33 यांग पर जीत ने आयुष के लिए एक ठोस सप्ताह का अंत किया. विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता ने डेनमार्क के विश्व नंबर 85 मैग्नस जोहानसन पर 21-17, 21-19 से जीत के साथ प्रतियोगिता फिर से शुरू की. इसके बाद उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में हमवतन थारुन मन्नेपल्ली को 21-12, 13-21, 21-15 से हराया. अगली दो जीत कुओ कुआन लिन (22-20, 21-9) और विश्व नंबर 6 चोउ टिएन चेन (21-23, 21-15, 21-14) के खिलाफ मिलीं.

पुरुष एकल फाइनल की शुरूआत बराबरी पर हुई क्योंकि पहला सेट 6-6 के स्कोरलाइन के साथ शुरू हुआ. इसके बाद शेट्टी ने बढ़त बना ली क्योंकि यांग ने ओवरहिट किया और भारतीय शटलर ने इसे 9-6 तक आगे बढ़ाया. पहले सेट में अंतराल तक शेट्टी ने बढ़त को 11-6 तक बढ़ाया.

हालांकि, इसके बाद सेट काफी करीबी हो गया और यांग ने बढ़त को 16-16 तक कम कर दिया, लेकिन भारतीय शटलर ने निर्णायक क्षणों में एक बार फिर कदम बढ़ाया और पहला सेट जीत लिया. दूसरा सेट बहुत प्रतिस्पर्धा वाला नहीं था क्योंकि चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय ने इसे आसानी से जीत लिया और मैच को अपने नाम कर लिया.

तन्वी ने भी टूनामेंट में शानदार प्रदर्शन किया लेकिन अंतिम बाधा से हार गईं. पिछले साल एशियाई टीम चैंपियनशिप जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य तन्वी ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर फाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बनने के अपने सफर में कुछ उलटफेर किए.

उन्होंने दूसरे वरीय वियतनामी खिलाड़ी गुयेन थुई लिन्ह को 21-19, 21-9 से हराकर शानदार अभियान की शुरूआत की. अगली जीत थाईलैंड की पूर्व जूनियर विश्व चैंपियन पिचामोन ओपटनीपुथ के खिलाफ 21-18, 21-16 से मिली. उन्होंने सेमीफाइनल में करुपाथेवन लेत्शाना को 21-13, 21-6 से हराया और यूक्रेन की सातवीं वरीय पोलिना बुहरोवा को 21-14, 21-16 से हराया लेकिन वो बेइवेन झांग से 21-11, 16-21, 21-10 से फाइनल में हार गईं.

छोटी खबरें

भारतीय महिला हॉकी टीम को चीन ने 2-3 से हराया

0-लगातार 8वीं हार के बाद एफआईएच प्रो लीग से हुई बाहर

नई दिल्ली,30 जून। भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को बर्लिन में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के हाथों 3-2 से हार के साथ एफआईएच प्रो लीग 2024-25 में अपने अभियान का समापन किया. टूर्नामेंट में अपनी लगातार 8वीं हार के साथ, टीम स्टैंडिंग में आखिरी 9वें स्थान पर रही, जिससे एफआईएच नेशंस लीग में उनके रेलीगेट होने की पुष्टि हुई. टीम 16 मैचों में से केवल 10 अंक ही जुटा पाई और अंक तालिका में सबसे नीचे रही. टूर्नामेंट में अपने अंतिम स्थान पर रहने के बाद, भारत अब एफआईएच नेशंस कप में प्रतिस्पर्धा करेगा, जो खेल की वैश्विक शासी संस्था द्वारा आयोजित एक दूसरे स्तर का टूर्नामेंट है. भारत की महिला टीम का प्रतियोगिता से बाहर होना उनके आखिरी मैच से पहले ही तय हो गया था, क्योंकि जर्मनी ने इंग्लैंड को 4-2 से हरा दिया था. इस परिणाम ने भारत के बचने की संभावना को खत्म कर दिया, और उनके पास टूर्नामेंट में बने रहने के लिए कोई अन्य समीकरण नहीं था. भारत ने 2022 में एफआईएच नेशंस कप जीतकर प्रो लीग में पदोन्नति हासिल की थी, जहां उन्होंने फाइनल में स्पेन को 1-0 से हराया था. टीम ने 2023-24 संस्करण में अपनी शुरूआत की, जहां भारत स्टैंडिंग में अंतिम स्थान पर रहा. सुनेलिता टोप्पा (9इ) और रुतुजा दादासो पिसल (38इ) भारत के लिए गोल करने वाली खिलाड़ी थीं. चीन ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए दो गोल किए, जिन्हें झांग यिंग ने 19वें और 39वें मिनट में गोल में बदल दिया. चीनी पक्ष के लिए जू वेन्यू ने विजयी गोल किया. दोनों टीमों ने शुरूआत में अनिश्चितता के संकेत दिए. चीन को अपना पहला अवसर चेन यांग के जरिए मिला, जो इस अवसर का फायदा उठाने में विफल रहे. भारत ने जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली और टीम को मौका मिला जब नेहा गोयल से मिले पास पर सुनिलिता टोप्पो ने रिवर्स हिट से गोल किया. इसके बाद चीन ने लगातार कुछ पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए, लेकिन भारतीय डिफेंस अपने कौशल में मजबूत था. हालांकि, कुछ मिनट बाद मनीषा चौहान की डिफेंसिव गलती के कारण रेफरी ने चीन को पेनल्टी स्ट्रोक दे दिया. हालांकि, भारत द्वारा रेफरल लेने के बाद फैसला पलट दिया गया. झांग यिंग ने पेनल्टी कॉर्नर को सफलतापूर्वक गोल में बदला और हाफटाइम से ठीक पहले एक और पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके चीन को 2-1 की बढ़त दिला दी. रुतुजा ने 37वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर नवनीत कौर की मदद से वैरिएशन से गोल किया और स्कोर बराबर हो गया. मैच के आखिरी चरण में चीन ने दबदबा बनाया और मैच का निर्णायक क्षण 53वें मिनट में आया जब उन्हें एक और पेनल्टी कॉर्नर दिया गया. झांग की फ्लिक को जू ने डिफ्लेक्ट कर दिया, जिससे चीन को जीत हासिल करने में मदद मिली. भारत ने एफआईएच प्रो लीग में अपने अभियान का समापन हार के साथ किया और अब वे अगले सत्र के लिए एफआईएच नेशंस लीग में चले गए हैं.

यूपीआई से लेकर पैन तक, 1 जुलाई से बदल जाएंगे यह नियम

नई दिल्ली ,30 जून। जुलाई, 2025 से कई नए वित्तीय नियम लागू होने जा रहे हैं, जिसका आपकी जेब पर सीधा असर हो सकता है। इनमें यूपीआई चार्जबैक, नए तत्काल ट्रेन टिकट बुकिंग और पैन कार्ड के नियमों में बदलाव शामिल हैं। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) की ओर से हाल ही में सिस्टम को आसान बढ़ाने के उद्देश्य से यूपीआई चार्जबैक नियमों में बदलाव किया गया है। मौजूदा समय में बहुत अधिक दावों के कारण सभी चार्जबैक रिक्वेस्ट को खारिज कर दिया जाता है। ऐसे में सही चार्जबैक रिक्वेस्ट को प्रोसेस करने के लिए बैंक को यूपीआई रेफरेंस कंप्लेंट सिस्टम (यूआरसीएस) के जरिए एनपीसीआई के पास जाकर केस को व्हाइटलिस्ट करना पड़ता है।

चेन्नई बुल्स ने रचा इतिहास, दिल्ली रेड्ज को हराकर जीता मेडन रग्बी प्रीमियर लीग का खिताब

मुंबई,30 जून। चेन्नई बुल्स ने यहां मुंबई में शाहजी राजे भोसले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) के पहले चैंपियन का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया. चेन्नई बुल्स की टीम ने फाइनल में दिल्ली रेड्ज को हराकर चमचमाती ट्रॉफी पर अपना कब्जा जमाया.

चेन्नई बुल्स ने फाइनल में दिल्ली रेड्ज को 41-0 के स्कोर से हराकर खिताब अपने नाम किया. वास्तव में, जीत का अंतर जीएमआर आरपीएल के सीजन 1 में सबसे बड़ा है. इस बीच, हैदराबाद हीरोज, जो लीग चरण में प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष पर रहा था, बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स के खिलाफ 17-12 से जीत हासिल करने के बाद तीसरे स्थान पर रहा. चेन्नई बुल्स ने सेमीफाइनल में जहां से छोड़ा था, वहीं से शुरूआत की और शुरूआती मुकाबलों में दिल्ली रेड्ज को कड़ी टक्कर दी. वाफौसे मलिको ने फाइनल का पहला प्रयास किया और फिलिप सौतुरागा ने इसे गोल में बदल दिया. कुछ ही देर बाद, रेड्ज ने बुल्स के हमले की पूरी ताकत महसूस की, क्योंकि जोसेवा तालाकोलो ने शानदार मूव को गोल में बदलकर 5 और अंक हासिल किए. पहले हाफ के अंत से पहले, बुल्स ने अपनी बढ़त को और बढ़ा लिया था - टेरी कैनेडी ने दो और प्रयासों के लिए रेड्ज को पीछे छोड़ दिया, और गौरव कुमार ने किक से 2 और अंक जोड़े. हाफ-टाइम तक, बुल्स पूरी तरह से नियंत्रण में थे, और 24-0 से आगे थे.

ब्रेक के बाद, वर्चस्व जारी रहा, और रेड्ज को बुल्स को तोड ?ा मुश्किल हो रहा था, इस बीच, बुल्स दबाव बनाने के लिए अपना काम कर रहे थे, क्योंकि कैनेडी द्वारा सेट किए जाने के बाद शानावाज अहमद लाइन के पार चले गए. और फिलिप सौतुरागा ने कुल में 2 और अंक जोड़े.मैच खत्म होने में 4 मिनट बाकी थे, बहुत ही प्रभावशाली बुल्स ने अपने पक्ष में 31-0 की बढ़त बना ली थी. बुल्स ने हार नहीं मानी और मोहम्मद आशिक के कुछ और प्रयासों को शामिल करके इस जीत को और अधिक शानदार जीत बना दिया.

इससे पहले दिन में हैदराबाद हीरोज ने जीएमआर रग्बी प्रीमियर लीग के उद्घाटन सत्र में तीसरा स्थान हासिल किया, क्योंकि उन्होंने बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स की चुनौती का डटकर सामना किया. शुरूआती दौर में पिछड़ रहे हीरोज ने पूरी ताकत से वापसी की. हीरोज ने ब्रेवहार्ट्स को 17-12 से हराया.

ब्रेवहार्ट्स के लिए टोन शिउ और फिलिप वोकोरच ने प्रयास किए, जबकि अकुइला रोकोलिसोआ ने एक किक को गोल में बदला, ये सभी पहले हाफ में हुए. हीरोज ने जोजी नासोवा के प्रयास और मैनुअल मोरेनो के रूपांतरण के माध्यम से पहले हाफ में वापसी की शुरूआत की थी, केविन वेकेसा और भूपिंदर सिंह ने खेल को बदलने वाले प्रयासों को जोड़ा.

अजहर महमूद बने पाकिस्तान की टेस्ट टीम के कार्यवाहक कोच

नईदिल्ली,30 जून। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद को अपनी टेस्ट टीम का मुख्य कोच (कार्यवाहक) नियुक्त किया है। वह आकिब जावेद की जगह लेंगे। बता दें कि जावेद पिछले साल जेसन गिलेस्पी के इस्तीफा के बाद इस जिम्मेदारी को संभाल रहे थे। पीसीबी की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, महमूद अपने मौजूदा अनुबंध की समाप्ति तक इस पद पर बने रहेंगे। पीसीबी ने महमूद को कोच बनाने को लेकर अपनी खुशी जाहिर की है। पीसीबी ने कहा, खेल को लेकर के उनकी गहरी समझ, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और इंग्लिश काउंटी क्रिकेट की सफलता, उन्हें इस पद के लिए असाधारण रूप से उपयुक्त बनाती है। पीसीबी ने बयान में आगे कहा, बोर्ड को विश्वास है कि अजहर के मार्गदर्शन में टेस्ट टीम वैश्विक मंच पर ताकत, अनुशासन और प्रदर्शन में आगे बढ़ती रहेगी। महमूद पाकिस्तान क्रिकेट टीम से 21 टेस्ट खेल चुके थे, जिसमें उन्होंने गेंदबाजी में 35.94 की औसत से 39 विकेट लिए थे। दूसरी तरफ बल्लेबाजी में 3 शतकों की मदद से 900 रन बनाए थे। महमूद ने 143 वनडे में 39.13 की औसत के साथ 123 विकेट चटकाए थे। दूसरी तरफ बल्लेबाजी में उन्होंने 1,521 रन अपने नाम किए थे। वह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व नहीं कर सके। महमूद के पास कोचिंग का काफी अनुभव है, उन्होंने 2016 से 2019 के बीच पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया है। उन्होंने 2023 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के दौरान स्टैंड-इन हेड कोच के रूप में भी काम किया था। महमूद पाकिस्तान सुपर लीग में कराची किंग्स और मुल्तान सुल्तांस के साथ उनके गेंदबाजी कोच और इस्लामाबाद यूनाइटेड के मुख्य कोच के रूप में काम कर चुके हैं।

-------------------------- फिल्म/व्यापार --------------------------

विजय सेतुपति की नई फिल्म का टाइटल हुआ जारी, थलाइवन थलाइवी बनी है नित्या मेनन के साथ जोड़ी

साउथ स्टार विजय सेतुपति की फिल्मों का दर्शकों को बड़ी ही बेसब्री से इंतजार रहता है। पिछले कुछ वक्त से विजय सेतुपति अपनी अनाम आगामी फिल्म को लेकर चचाओं में थे, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री नित्या मेनन नजर आने वाली हैं। हालांकि, अब मेकर्स ने इस फिल्म के टाइटल की घोषणा कर दी है। जिसके बाद अब फिल्म का नाम सामने आ गया है।

फैंस का इंतजार खत्म हुआ और विजय सेतुपति की आगामी फिल्म के 'टाइटल की घोषणा हो गई। विजय सेतुपति और नित्या मेनन की इस फिल्म का नाम है 'थलाइवन थलाइवीइ। इस फिल्म का निर्देशन पंडिराज ने किया है। इस ड्रामा फिल्म में विजय और नित्या पावर कपल के रूप में दिखाई देंगे। फिल्म गंभीर रूप से संबंधित रिश्तों पर बात करती है और उनके बीच के हर भाव को दिखाती है।

मेकर्स ने फिल्म का टाइटल टीजर जारी किया है। जिसकी शुरूआत विजय सेतुपति और नित्या मेनन के खाना बनाने की तैयारी करते हुए होती है। इसके बाद दोनों मजाक और बहस करते हुए रसोई में खाना बनाते नजर आते हैं। टीजर में दोनों के बीच जबरदस्त केमेस्ट्री देखने को मिली है। टीजर में योगी बाबू भी नजर आए हैं। जो ये बताते हैं कि यह जोड़ी सामान्य से बहुत दूर है। तभी विजय सेतुपति एक बंदूक निकालते हैं और गोली चलाते हैं। इसके साथ ही टीजर समाप्त हो जाता है।

मलयालम फिल्म '19(1)(ए)इ के बाद विजय सेतुपति और नित्या मेनन दूसरी बार एक साथ किसी फिल्म में नजर आएंगे। पंडिराज द्वारा लिखित और निर्देशित 'थलाइवन थलाइवीइ के टीजर के बाद अब दर्शक इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा नहीं की गई है।

मस्ती-4 के लिए तुरंत हामी भरी, कॉमेडी में सही टाइमिंग के लिए लगातार मेहनत जारी : रूही सिंह

एक्ट्रेस रूही सिंह अपनी आने वाली फिल्म मस्ती 4 में लीड रोल में नजर आएंगी। उन्होंने बात करते हुए इस फिल्म के निर्देशक मिलाप जावेरी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मिलाप जावेरी बेहतर तरीके से जानते हैं कि जनता को क्या पसंद आता है। साथ ही बताया कि वह दर्शकों को हंसाने के लिए कॉमेडी टाइमिंग को लेकर कड़ी मेहनत कर रही हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, वह शुरू से ही मस्ती फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। वह मस्ती की खासियत और आम लोगों को क्या पसंद आता है, ये अच्छी तरह समझते हैं। मैं उनके निर्देशन के लिए बहुत उत्साहित हूं। वह दर्शकों को अच्छी तरह समझते हैं और उनकी पसंद के हिसाब से फिल्म बनाते हैं। एक्ट्रेस ने कहा, जब मुझे मस्ती 4 का ऑफर मिला, तो मैंने उसके लिए तुरंत हामी भर ली। मस्ती एक बड़ी और प्रसिद्ध फिल्म सीरीज है जिसकी अपनी एक पहचान है, और उसका हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हुई। यह फिल्म एक शानदार कलाकारों की टीम, एक ऐसा निर्देशक जो फिल्म और दर्शकों को समझता है, और जिसमें मजाक-मस्ती मुख्य बात है, ये सब मिलकर फिल्म को बहुत मजेदार बनाते हैं। कुल मिलाकर, यह मेरे लिए एक बेहतरीन मौका है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे याद है कि मैंने अपने दोस्तों के साथ ग्रैंड मस्ती देखी थी और हम बहुत जोर-जोर से हंसे थे।

कॉमेडी करना मुश्किल होता है। कॉमेडी में सही टाइमिंग पकड ?ा उनके लिए कितना मुश्किल है? इस सवाल पर रुही ने कहा, मुझे खुद पर हंसने में कोई डर नहीं लगता। मैं अपनी निजी जिंदगी में मजाकिया और हंसमुख हूं। मैं जानती हूं कि कॉमेडी करना सबसे मुश्किल होता है, इसलिए मैं खुद पर काम कर रही हूं। मैं बहुत सारी कॉमेडी फिल्में देख रही हूं, खासकर राजपाल यादव और परेश रावल की फिल्में।

सस्ते में सोना-चांदी खरीदने का मौका, जानें दामों में कितनी आई गिरावट

नई दिल्ली ,30 जून। सोना-चांदी खरीदारों के लिए खुशखबरी है। इस हफ्ते दोनों कीमती घातुओं की दाम में गिरावट देखने को मिली है, जिससे सोने की कीमत एक बार फिर से 96,000 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी का दाम 1.06 लाख रुपए प्रतिकिलो के नीचे आ गया है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 95,784 रुपए है, जबकि एक हफ्ते पहले इसी दिन यह 98,691 रुपए थी, जो कि सोने की कीमत में 2,907 रुपए की कमी को दशार्ता है।

22 कैरेट सोने का दाम कम होकर 87,738 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 90,404 रुपए था। वहीं, 18 कैरेट सोने की कीमत 74,018 रुपए प्रति 10 ग्राम से कम होकर 71,838 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है।

समीक्षा अवधि में चांदी की कीमत 1,582 रुपए कम होकर 1,05,193 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो कि पहले 1,06,775 रुपए प्रति किलो थी। 18 जून को चांदी ने 1,09,550 रुपए प्रति किलो का ऑल-टाइम हाई बनाया था।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट हुई है। कॉमैक्स पर सोना गिरकर 3,300 डॉलर प्रति औंस पर आ गया है, जो कि पहले 3,400 डॉलर प्रति औंस पर था। वहीं, चांदी की कीमत कम होकर 36 डॉलर प्रति औंस हो गई है।

हाल के दिनों में ऐसे कई वैश्विक घटनाक्रम हुए हैं, जिससे सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है, इसमें इजरायल-ईरान के बीच संघर्ष समाप्त होना, वैश्विक स्तर पर स्थिरता और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी शामिल हैं।

1 जनवरी से अब तक 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 76,162 रुपए से 19,622 रुपए या 25.76 प्रतिशत बढ़कर 95,784 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 19,176 रुपए या 22.29 प्रतिशत बढ़कर 1,05,193 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गया है।

■ RNI No.CHHHIN/ 9479/2002 ■ Postal Regn No./RYPDN/11/2014-16 अम्बिकावाणी

निगम आयुक्त ने किए सहायक राजस्व अधिकारियों के तबादले

रायपुर। काफी वर्षों से नगर निगम रायपुर में सेवा दे रहे कुछ राजस्व अधिकारियों के खिलाफ राजस्व वसूली में गंभीर शिकायतें मिलने के बाद नगर निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप ने सहायक राजस्व अधिकारियों के तबादले कर दिए है। नगर निगम के सामान्य प्रशासन विभाग से जारी आदेश के मुताबिक जोन 1 के सहायक राजस्व अधिकारी नरेन्द्र नायक को जोन 9 में, जोन 2 से श्रीमती स्वाति शुक्ला को जोन 6 में, जोन 3 के प्रेमचंद दुबे को जोन 2 में, जोन 4 से मानकूराम धीवर को जोन 3 में, जोन 5 के गौरीशंकर अग्रवाल को जोन 10 में, जोन 6 से मनीष मरकाम को जोन 1 में, जोन 7 से अमरनाथ साहू को जोन 4 में, जोन 8 से प्रमोद जाधव को जोन 5 में, जोन 9 सक विजय शर्मा को जोन 7 में और जोन 10 के महादेव रक्सेल को जोन 8 में नवीन पदस्थापना दी है। निगम आयुक्त ने सभी को 24 घंटे के भीतर कार्यभार ग्रहण करने के आदेश दिए है।

बांस से आएगी कमार जनजाति के जीवन में हरियाली, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत मिलेगा प्रशिक्षण

00 बांस से सशक्त होगी आजीविका, सुरक्षित रहेगा पर्यावरण, 00 बांस से आदिवासी परिवारों को मिलेगा रोजगार और आत्मनिर्भरता

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनजातीय परिवारों को स्वावलंबी बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है और इस दिशा में बांस आधारित योजनाएं मील का पत्थर साबित होंगी।आदिवासी संस्कृति में बांस का विशेष महत्व रहा है और अब यह आजीविका के सशक्त साधन के रूप में उभर रहा है। प्रदेश सरकार बांस के माध्यम से आदिवासी परिवार को आत्मनिर्भर बनाने और बांस के उत्पादों को बाजार तक सीधी पहुँच के माध्यम बनाएगी। इससे न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी बल्कि पारिस्थितिकी तंत्र भी संतुलित रहेगा।

धमतरी जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्रों में निवासरत विशेष पिछड़ी कमार जनजाति के परिवारों के जीवन में बांस अब खुशहाली और हरियाली लेकर आएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत प्रदेश के धमतरी जिले के कमार सहित अन्य जनजातीय परिवारों को बांस की खेती और बांस कला का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य जनजातीय परिवारों को पारंपरिक आजीविका के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों से जोड़कर उनकी आय को सुदृढ़ करना है। बांस न केवल पर्यावरण के लिए वरदान है, बल्कि यह आदिवासी परिवारों की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत बनाने में सक्षम है। बांस उत्पादों की देश-विदेश में बढ़ती मांग को देखते हुए जनजातीय परिवारों को न केवल खेती बल्कि उत्पाद निर्माण, डिजाइनिंग और विपणन का भी प्रशिक्षण दिया जाएगा।

धमतरी के कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने बताया कि जिले के गंगरेल और तुमराबाहरा क्षेत्र में बांस की खेती के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जा रही है। बांस विशेषज्ञ एवं सेवानिवृत्त भारतीय वन सेवा के अधिकारी श्री ए.के. भट्टाचार्य द्वारा जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधियों को बांस खेती और बांस कला पर तकनीकी मार्गदर्शन भी दिया गया है। बांस उत्पादों जैसे फर्नीचर, लैम्प, पेन स्टैंड, झाड़ू, सूपा, आकर्षक टोकरियां, प्लेटनुमा झौवा, पानी की बोतल, टूथब्रश और बांस ज्वेलरी बनाने की जानकारी दी जा रही है। कलेक्टर ने बताया कि जिले में बांस को आदिवासी परिवारों की आय का मुख्य साधन बनाने के लिए बैम्बू ब्लेज, आर्टिफिशियल कार्ड, बैम्बू एफपीओ, किसान बैम्बू क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं को भी बढ़ावा दिया जाएगा।इसके साथ ही बांस कारीगरों को उनके कौशल उन्नयन के लिए महाराष्ट्र के चंद्रपुर स्थित बांस कला केन्द्र में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने किया मंत्रालय के पंचम तल में नवीन सभागार का लोकार्पण

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नवा रायपुर स्थित मंत्रालय महानदी भवन के सेक्रेटरी ब्लॉक के पंचम तल पर निर्मित नवीन सभागार का लोकार्पण किया। 13.90 करोड़ रुपये की कुल लागत से निर्मित यह भव्य सभागार सभी अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त है। 6450 वर्गफुट क्षेत्र में बने इस कॉन्फ्रेंस हॉल की बैठक क्षमता 185 सीटों की है। सभागार आंतरिक विद्युतीकरण, अग्निशमन व्यवस्था, वातानुकूलन, ऑडियो-विजुअल प्रणाली, आंतरिक साज-सज्जा तथा फर्नीचर सहित सभी आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव एवं श्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम, वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी, खाद्य मंत्री श्री दयालदास बघेल, वन मंत्री श्री केदार कश्यप, उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा सहित मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मुकेश बंसल, श्री पी. दयानंद, डॉ. बसवराजू एस., श्री राहुल भगत, सचिव श्री रजत कुमार, श्री अंकित आनंद, श्री अविनाश चम्पावत तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

90 प्रतिशत विकलांग को चरामेति विकलांग सेवा ने दिया व्हीलचेयर

रायपुर। खोरपा (अभनपुर) के लगभग 90 प्रतिशत विकलांग श्री बसंत साहू को ₹चरामेति विकलांग सेवा के संस्था के राजेंद्र ओझा ने संस्था की ओर से एक नई व्हीलचेयर प्रदान किया।

ओझा ने बताया कि बसंत साहू पिछले 8 वर्ष से स्पाइनल कॉर्ड इंजरी से ग्रसित है एवं लगभग पूरा समय बिस्तर पर लेटे रहते हैं। उनकी आवश्यकता को देखते हुए उनके भाई नरसिंह को सोमवार को एक नई व्हीलचेयर प्रदान किया गया। इस अवसर पर जीपी अखिलेश, रोशन बहादुर सिंह, किअंश, पार्थ, नरसिंह साहू उपस्थिति थे।

मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप पत्थलगांव में ऑडिटोरियम निर्माण हेतु 4 करोड़ की राशि स्वीकृत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की घोषणा के फलस्वरूप पत्थलगांव में ऑडिटोरियम निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग से 4 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है। कुछ दिन पूर्व ही नगर पालिका जशपुर के वार्ड क्रमांक 16 में ऑडिटोरियम निर्माण हेतु 6 करोड़ 76 लाख 55 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी।

ऑडिटोरियम निर्माण होने से आम लोगों को सांस्कृतिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों के लिए एक सुव्यवस्थित मंच प्राप्त होगा। यहाँ विभिन्न प्रकार के आयोजन जैसे नाटक, संगोष्ठी, सेमिनार, प्रशिक्षण कार्यक्रम, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं सरकारी कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया जा सकेगा। इससे प्रतिभाओं को अपनी कला और विचारों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा तथा स्थानीय स्तर पर रचनात्मकता को प्रोत्साहन मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में जन सुविधा आधारित अधोसंरचना विकास को नई गति मिल रही है। मुख्यमंत्री की पहल पर किसानों, विद्यार्थियों, व्यापारियों, महिलाओं और आम नागरिकों की आवश्यकताओं को केंद्र में रखते हुए विभिन्न विकास कार्यों को निरंतर स्वीकृति मिल रही है और योजनाएं भी तेजी से क्रियान्वित हो रही है।

भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी चिमनानी मिले केंद्रीय मंत्री मांडविया व सांसद सुधांशु से

रायपुर। छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने नई दिल्ली प्रवास के दौरान सोमवार को केंद्रीय मंत्री खेल, युवा, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय मनसुख मांडविया एवं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व राज्यसभा सासंद सुधांशु त्रिवेदी से दिल्ली में मुलाकात कर छत्तीसगढ़ आने का आमंत्रण दिया तथा राष्ट्रीय परिपेक्ष्य में राजनीतिक विषयों पर चर्चा की।

■ स्वामी, मुद्रक प्रकाशक- महेन्द्र सिंह टुटेजा, नरेन्द्र सिंह टुटेजा द्वारा निर्माण ऑफसेट, आदर्श नगर डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड (मोवा थाना के सामने) मोवा रायपुर से मुद्रित कर वेलकम टॉवर, शंकर नगर फ्लैट नम्बर बी-1 से प्रकाशित ■ प्रधान संपादक -महेन्द्र सिंह टुटेजा, प्रबंध संपादक - नरेन्द्र सिंह टुटेजा, Mo. 8223000155, 94252 56303, 98261 83780 ■ Email- raipurambikavani@gmail.com